RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

रोहित शर्मा ने तोड़ा 37 साल पुराना रेकॉर्ड

पेज 8

दिशा पाटनी का बोल्ड अवतार

8 पेज

सुप्रभात

यदि जीवन में बुद्धिमानी की कोई बात है तो वह एकाग्रता है और यदि कोई खराब बात है तो वह अपनी शक्तियों को बिखेर देना।
- एमरसन

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (15 जून) 7:17 बजे, सूर्योदय (16 जून) 6:01 बजे, **तापमान: 33 डिग्री से. (आंधी-तूफान की ज्यादा संभावना।)**

शॉर्ट स्टोरी

अब सरकार देगी कार्यालयों का किराया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मेट्रो-3 परियोजना के तहत विस्थापित किए गए सात राजनीतिक समेत कुल 27 कार्यालयों के किराए का भुगतान अब राज्य सरकार अपने खजाने से करेगी। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक अप्रैल से किराया प्रतिपूर्ति बंद किए जाने के बाद सरकार ने यह जिम्मेदारी अपने हाथ में ली है। ये कार्यालय नरीमन पॉइंट स्थित विधान भवन मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए फ्री प्रेस जर्नल रोड की बैरकों से स्थानांतरित किए गए थे। इन कार्यालयों को किराए के परिसरों में स्थानांतरित किया गया था और अब तक किराया एमएमआरसीएल वहन कर रही थी। सभी कार्यालय निर्माणाधीन मनोरा विधायक निवास परिसर में स्थानांतरित होने तक किराया देना होगा।

राज ठाकरे के बर्थडे पर मिला सस्ता पेट्रोल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के जन्मदिन के निमित्त रविवार को माहिम विधानसभा क्षेत्र में मनसे कार्यकर्ताओं ने एक ऐसी अनूठी और राहतकारी पहल की है, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। आम जनता को महंगाई से थोड़ी राहत देने के लिए मनसे की ओर से पेट्रोल पर 5 रुपए प्रति लीटर की विशेष छूट दी गई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे अपने नेता का जन्मदिन जनसेवा के माध्यम से मनाना चाहते थे, और पेट्रोल पर छूट देना इसी दिशा में एक कदम है। शिवसेना भवन के ठीक सामने स्थित पेट्रोल पंप पर सुबह 9 बजे से शुरू होकर रात 9 बजे तक यानी पूरे 12 घंटों तक जनता के लिए यह राहत उपलब्ध रही।

एकल महिला नीति बनाने की तैयारी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य की विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता, अविवाहित तथा अन्य एकल महिलाओं के सर्वांगीण सशक्तीकरण के लिए स्वतंत्र एकल महिला नीति तैयार की जा रही है। इस नीति को अधिक व्यापक, जनहितकारी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य की एकल महिलाओं, नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शोधकर्ताओं, अध्ययनकर्ताओं एवं विषय विशेषज्ञों से सुझाव और अभिप्राय आमंत्रित किए गए हैं। सरकार ने अपील की है कि केवल समस्याओं को बताने के बजाय उनके समाधान के लिए ठोस उपाय, नई योजनाओं की आवश्यकता संबंधित विस्तृत सुझाव भेजे जाएं।

मुंबई में गर्मी का 57 साल का टूटा रेकॉर्ड

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मानसून की देरी के कारण मुंबईवासी भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। इस बीच गर्मी के पारे ने 57 साल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। दिन में सूरज आग उगल रहा है और रातें भी तप रही हैं। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री के आस-पास दर्ज किया जा रहा है। मुंबई शहर में शनिवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, यह सामान्य तापमान से 3 .5 डिग्री अधिक है। मौसम विज्ञान विभाग, मुंबई के निदेशक विक्रम सिंह के अनुसार मुंबई वासियों को अगले कुछ दिनों तक बारिश का इंतजार करना होगा।

ऑपरेशन टाइगर की अटकलों के बीच मातोश्री पहुंचे केवल चार सांसद

4 सांसद सामने, 5 ऑनलाइन

● क्या फेल हो गया ऑपरेशन टाइगर?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में रविवार का दिन बेहद गहमागहमी भरा रहा। एक तरफ जहां एकनाथ शिंदे गुट के ऑपरेशन टाइगर और ठाकरे गुट के सांसदों के टूटने की अफवाहें उड़ीं, वहीं उद्धव ठाकरे ने मुंबई स्थित अपने निवास मातोश्री पर सांसदों की बैठक बुलाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। बैठक से पहले राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज थी कि ठाकरे गुट के कुछ सांसद नॉट रिचेबल हैं और वे पाला बदल सकते हैं। हालांकि, सांसद संजय राऊत ने इन सभी चर्चाओं को केवल अफवाह करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी के सभी 9 सांसद पूरी तरह से एकजुट हैं और उद्धव ठाकरे के साथ खड़े हैं।

बैठक में सांसदों की उपस्थिति दो तरीके से रही

दक्षिण मुंबई के अरविंद सावंत, दक्षिण-मध्य मुंबई के अनिल देसाई, नाशिक के राजाभाऊ वाजे और पूर्व-उत्तर मुंबई के संजय दीना पाटील व्यक्तिगत रूप से मातोश्री पहुंचे। कौटुंबिक और स्वास्थ्य कारणों से 5 सांसदों ने डिजिटल माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें भाऊसाहेब वाकचौरे, ओमराजे निंबालकर, संजय देशमुख, नागेश पाटील-आष्टीकर और संजय जाधव शामिल थे। संजय राऊत ने बताया कि यह एक नियमित बैठक थी और जो सांसद आज नहीं आ सके, वे अगले दो-तीन दिनों में व्यक्तिगत रूप से ठाकरे से मुलाकात करेंगे।

सांसदों का दावा, ऑपरेशान टाइगर सफल नहीं होगा

अनिल देसाई ने दावा किया कि ऑपरेशन टाइगर कभी सफल नहीं होगा और सभी नौ सांसद उद्धव ठाकरे के साथ मजबूती से खड़े हैं। मुंबई उत्तर-पूर्व से सांसद संजय दीना पाटिल ने भी कहा कि वे उद्धव ठाकरे के साथ हैं और टूट की चर्चाओं में कोई सच्चाई नहीं है। शिवसेना के पूर्व सांसद विनायक राऊत ने भी दावा किया कि सभी सांसद उद्धव ठाकरे के साथ हैं और ऑपरेशन टाइगर सफल नहीं होगा।

बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए पांच सांसद

बैठक के बाद संजय राऊत ने दावा किया कि पांच सांसद ऑनलाइन माध्यम से बैठक में जुड़े थे। उन्होंने कहा कि जो सांसद व्यक्तिगत कारणों से नहीं आ सके, उनसे वर्चुअल माध्यम से चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि उस्मानाबाद के सांसद ओम राजे निंबालकर के बेटे की तबीयत खराब है और वह पुणे के अस्पताल में भर्ती हैं, इसलिए निंबालकर ऑनलाइन शामिल हुए। शिरडी के सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे की पत्नी बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं, इसलिए वह भी ऑनलाइन जुड़े। हिंगोली के सांसद नागेश पाटील आष्टीकर अपने बेटे के विधानसभा चुनाव अभियान में व्यस्त होने के कारण ऑनलाइन शामिल हुए। यवतमाल-वाशिम के सांसद संजय देशमुख के घर बेटी का विवाह समारोह होने के कारण वह ऑनलाइन बैठक में जुड़े। संजय जाधव भी ऑनलाइन माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

हम 'ऑपरेशन वुल्फ' शुरू करने जा रहे हैं : संजय राऊत

ऑपरेशन टागर के सवाल पर संजय राऊत ने पलटवार करते हुए कहा कि डरने की क्या बात है? अरे, छोड़िए भी। क्या हम डरने वाले लोग हैं? हमारी पूरी संसदीय टीम एकजुट है। हम मजबूत हैं और मजबूत बने रहेंगे। आप किस 'ऑपरेशन टाइगर' की बात कर रहे हैं? हम खुद शेर हैं और हम 'ऑपरेशन वुल्फ' शुरू करने जा रहे हैं।

बीजेपी के हो जाएंगे टुकड़े-टुकड़े

संजय राऊत ने एक बेहद आक्रामक बयान देते हुए कहा कि जिस दिन सत्ता उनके हाथ में आएगी, उस दिन भारतीय जनता पार्टी का नामोनिशान मिट जाएगा। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, जिस दिन हमारे हाथ में सत्ता आएगी, बीजेपी नहीं बचेगी यह टुकड़ों में बिखर जाएगी। वे अपने घरों से बाहर तक नहीं निकल पाएंगे। बीजेपी के नेता डर के मारे पहले ही भाग जाएंगे और जनता के बीच चेहरा दिखाने लायक नहीं रहेंगे।

कोई ऑपरेशन टाइगर नहीं चला रहे: संजय शिरसाट

दूसरी ओर शिंदे गुट के नेता और मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि उनकी पार्टी कोई ऑपरेशन टाइगर नहीं चला रही है। उनके मुताबिक कई लोग स्वयं संपर्क में हैं और यदि किसी ने निर्णय ले लिया है तो उसे उचित समय पर पार्टी में शामिल कराया जाएगा। अंतिम फैसला उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही करेंगे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कसा तंज

इस पूरे घटनाक्रम पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कटाक्ष किया। जब उनसे मातोश्री की बैठक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पहले यह जानकारी ले लीजिए कि बैठक में कौन आया और कौन नहीं आया, उसके बाद चर्चा करेंगे।

अन्य राजनीतिक घटनाक्रम

मिली जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र की राजनीति में अन्य मोर्चों पर भी हलचल जारी है। सोलापुर विधान परिषद चुनाव में भाजपा को समर्थन देने के मुद्दे पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के तीन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है, जिस पर प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने प्रतिक्रिया दी है। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र की राजनीति इस समय आरोप-प्रत्यारोप और अपनी-अपनी किलेबंदी को मजबूत करने के दौर से गुजर रही है।

खुद को मजबूत करने में जुटी हैं सभी पार्टियां

अब असल सवाल यह है कि जो सांसद रविवार को मातोश्री न पहुंचकर केवल ऑनलाइन माध्यम से जुड़े, क्या वे आने वाले दिनों में उद्धव ठाकरे के सामने हाजिर होंगे या अचानक देवेंद्र फडणवीस के वर्षा बंगले पर दस्तक देकर महाविकास आघाडी की धड़कनें बढ़ा देंगे? फिलहाल महाराष्ट्र में सभी पार्टियां खुद को मजबूत करने में जुटी हैं। एक तरफ शिंदे गुट के नेता जमीन पर उतरकर शहर-शहर घूम रहे हैं, तो दूसरी तरफ भाजपा का आक्रामक विस्तार जारी है। ऐसे सियासी माहौल में विपक्षी दलों के लिए अपने कुनबे को सुरक्षित और एकजुट रखना सबसे बड़ी चुनौती है।

अन्नदाता के लिए खुद को गला रहे रोहित पवार!

अनशन के तीसरे दिन बिगड़ी तबीयत

हिंदमाता नेटवर्क @ सोलापुर

पंढरपुर की पावन धरती इस समय एक भावुक और संघर्षपूर्ण आंदोलन की गवाह बन रही है। किसानों की कर्जमाफी की मांग को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक रोहित पवार द्वारा शुरू किए गए अन्नत्याग आंदोलन का रविवार को तीसरा दिन रहा। रविवार को अनशन स्थल पर एक ऐसा हृदय विदारक दृश्य देखने को मिला, जिसने वहां मौजूद हजारों समर्थकों और किसानों की आंखों में आंसू ला दिए। अनशन के तीसरे दिन रोहित पवार की शारीरिक स्थिति काफी चिंताजनक हो गई है। सरकारी डॉक्टरों की एक टीम ने दोपहर उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया। रिपोर्ट के अनुसार, लगातार भूखे रहने के कारण रोहित पवार का शुगर लेवल काफी नीचे गिर गया है और उनका ब्लड प्रेशर भी लो हो गया है। डॉक्टरों ने उनकी गिरती हालत को देखते हुए उन्हें तत्काल सलाइन लगाने की सलाह दी ताकि शरीर में ऊर्जा बनी रहे। हालांकि, किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए रोहित पवार ने डॉक्टरों की इस सलाह को सिरे से खारिज कर दिया और सलाइन लगवाने से साफ इनकार कर दिया।

● मंच पर बिलख उठी बेटी

मंच पर बिलख उठा परिवार

जब रोहित पवार की बिगड़ती सेहत की खबर उनके परिवार तक पहुंची, तो उनकी पत्नी कुंती पवार, उनके बच्चे और उनकी मां खुद को रोक नहीं पाए और तुरंत अनशन स्थल पर मंच पर पहुंच गए। अपने पिता और पति को इस तरह कमजोर और अशक्त हालत में देखकर पूरा परिवार बेहद भावुक हो गया। सबसे मार्मिक क्षण तब आया जब रोहित पवार की बेटी अपने पिता की गोद में सिर रखकर बिलख-बिलख कर रोने लगी। पिता की गिरती सेहत और उनके चेहरे पर छाई कमजोरी को देखकर बेटी के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। पत्नी कुंती और परिवार के अन्य सदस्यों की आंखों में भी अपने अन्नदाता के हक के लिए लड़ रहे अपनों के प्रति चिंता और गर्व के मिश्रित भाव साफ देखे जा सकते थे।

आप हमारी पार्टी में आ जाइए: मनोज जरांगे

रविवार को रोहित पवार से मिलने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटील पहुंचे। उन्होंने रोहित पवार से अपील की कि अगर उन्हें सरकार से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है, अगर उन्हें बातचीत का आमंत्रण मिल रहा है, तो उन्हें भूख हड़ताल खत्म कर देनी चाहिए। इस दौरान मनोज जरांगे ने हल्के-फुल्के अंदाज में रोहित पवार को अपने साथ आने को कहा। लगे हाथ उन्होंने यह भी कटाक्ष किया कि अब मेरी इतनी बुराई होने वाली है कि अगर मैं यहां से गया तो वे कहेंगे कि यह पवार का आदमी है। परसों मैं देवेंद्र फडणवीस का आदमी था। वे कहते हैं कि मैं जिससे मिलने जाता हूं, उसी का आदमी हूं। लेकिन मेरा एक ईमानदार रोल है। जहां भी समाज के साथ अन्याय होता है, हम दौड़कर वहां जाते हैं। हम उस मामले में कभी पीछे नहीं हटते।

पंढरपुर में बड़ा हादसा, कुएं में गिरी पिकअप वैन

नौ लोगों की मौत

सीएम ने जताया दुख, 5 लाख रुपए की मदद का ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ सोलापुर

सोलापुर के मालशिरस तालुका के तलवंडी गांव के पास रविवार को हुए एक भयानक हादसे में एक पिकअप गाड़ी के सीधे कुएं में गिरने से 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि प्रशासन और स्थानीय नागरिकों ने 7 लोगों को कुएं से सुरक्षित बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की है। सभी मृतक पंढरपुर तालुका के रंजनी गांव के रहने वाले हैं और इस घटना से इलाके में दुख फैल गया है। मृतकों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इस घटना में मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपए की मदद का ऐलान किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट कर घटना पर दुख जताया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी।

सिद्धनाथ मंदिर दर्शन करने गए थे

शुरुआती जानकारी के मुताबिक रंजनी गांव से भक्तों का एक ग्रुप म्हसवड में सिद्धनाथ मंदिर दर्शन करने गया था। दर्शन करके गांव लौटते समय, मालशिरस तालुका के तंदूरवाड़ी गांव के पास पिकअप ट्रक एक कुएं में गिर गया, जब ड्राइवर ने गाड़ी पर से कंट्रोल खो दिया। हादसा इतना भयानक था कि गाड़ी में सवार नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पंढरपुर में पसरा मातम

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। मरने वालों की पहचान करने और दूसरे यात्रियों की तलाश का काम चल रहा है। हादसे का सही कारण अभी साफ नहीं है और पुलिस आगे की जांच कर रही है। इस हादसे से रंजनी गांव और पूरे पंढरपुर तालुका में मातम पसर गया है। मुख्यमंत्री ने इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है।

मुख्यमंत्री ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोलापुर जिले के मालशिरस तालुका के तांदलवाडी में एक निजी खेत में एक गाड़ी के कुएं में गिरने से कुछ श्रद्धालुओं की मौत की घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। मैं उन्हें दिल से श्रद्धांजलि देता हूं। हम उनके परिवारों के दुख में शामिल हैं। खुशकिस्मती से 7 लोगों की जान बच गई है।

पांच लाख रुपए की मदद

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक दोनों तुरंत मौके के लिए रवाना हो गए हैं और हम स्थानीय प्रशासन के लगातार संपर्क में हैं। राज्य सरकार इस घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद देगी। इस बीच, इस घटना के बाद, संबंधित कुआं बनाने की इजाजत देने वाले अधिकारियों और अन्य सभी दोषियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की जा रही है।

बाजार से विदेशी निवेशकों का मोहभंग

15 दिन में निकाले 62,800 करोड़

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बढ़ते जियोपॉलिटिकल तनाव, ग्लोबल इकोनॉमी की ग्रोथ को लेकर चिंता और रुपए में लगातार कमजोरी के बीच विदेशी निवेशकों ने जून के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजार से 62,853 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली की। इस ताजा निकासी के साथ ही 2026 में अब तक भारतीय शेयरों से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.87 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। यह पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। यह आंकड़े नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के डेटा से सामने आए हैं।

हर महीने में एफपीआई नेट सेलर रहे हैं

बजाज ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट-रिसर्च पबित्रो मुखर्जी के मुताबिक, आने वाले हफ्ते में एफपीआई फ्लो काफी हद तक अमेरिका-ईरान शांति वार्ता, अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी के ब्याज दर फैसले, जापान के केंद्रीय बैंक की पॉलिसी और दूसरे बड़े सेंट्रल बैंकों की टिप्पणियों पर निर्भर करेगा। एनएसडीएल के डेटा के अनुसार, फरवरी को छोड़कर 2026 के हर महीने में एफपीआई नेट सेलर रहे हैं। अप्रैल में 60,847 करोड़ और मई में 32,963 करोड़ की निकासी हुई। जून के पहले दो हफ्तों में ही 62,853 करोड़ रुपए निकाले गए।

फ्रांस में इन्वेस्टर्स से बोले पीएम मोदी

भारत आइए, हमारे साथ मिलकर काम कीजिए...

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस में हैं। जहां उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मौजूदगी में 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने वैश्विक मंच से भारत की बदलती तकनीकी ताकत और दुनिया के प्रति इसके बढ़ते योगदान पर खुलकर बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं रह गया है, बल्कि वह दुनिया की बड़ी समस्याओं का हल निकालने में एक प्रमुख कॉन्ट्रिब्यूटर के रूप में उभरा है। पीएम मोदी ने कहा, भारत इनोवेट्स दुनिया के लिए एक निमंत्रण है कि वे भारत के साथ मिलकर ग्लोबल इनोवेशन का अगला अध्याय लिखें।

हम पार्टनरशिप चाहते हैं...

पीएम मोदी ने अतीत और वर्तमान की तुलना करते हुए कहा कि एक दशक पहले दुनिया भारत को सिर्फ टेक्नोलॉजी अपनाने वाले देश के रूप में देखती थी, लेकिन आज भारत दुनिया को टेक्नोलॉजी देने वाले देश के तौर पर उभरा है। पीएम मोदी ने फ्रांस में कहा, हम पार्टनरशिप चाहते हैं, जॉइंट रिसर्च चाहते हैं और इसके साथ लॉन्ग-टर्म कोलैबोरेशन चाहते हैं। मैं हर इन्वेस्टर और एंटरप्रेन्योर को इनवाइट करता हूं, आप भारत आइए, हमारे साथ मिलकर काम कीजिए। भारत में डिजाइन कीजिए, भारत में डेवलप कीजिए और दुनिया के लिए सॉल्यूशंस तैयार कीजिए।

120 से ज्यादा स्टार्टअप्स हिस्सा ले रहे

भारत इनोवेट्स 2026 सम्मेलन 14 जून से 16 जून तक तीन दिनों तक चलेगा। इस आयोजन में भारत के 120 से ज्यादा डीप-टेक स्टार्टअप्स हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा 15 से अधिक प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान और शोध संगठन भी शामिल हैं। इनमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं। सम्मेलन का मकसद भारतीय स्टार्टअप्स और शोध संस्थानों को दुनिया भर के निवेशकों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों और शैक्षणिक संस्थानों से जोड़ना है। इससे भारतीय कंपनियों और युवाओं को नए निवेश, तकनीकी सहयोग और वैश्विक अवसर मिलने की उम्मीद है। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को भारत को 'इनोवेशन का देश' बताया।

हिंदमाता एंकर: स्पीकर ओम बिरला से मिले टीएमसी के 20 बागी सांसद, नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी में विलय का फैसला, राजनीतिक नौटंकी पर सियासी गलियारे में चर्चाएं तेज

बंगाल में खेला, एनसीपीआई में शामिल होंगे ममता के बागी सांसद, एनडीए को देंगे समर्थन

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद टीएमसी की संसदीय पार्टी टूट की कगार पर पहुंच गई है। रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर टीएमसी के बागी सांसदों की बैठक हुई। इस बैठक के बाद सांसद काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंद्योपाध्याय और शताब्दी रॉय के नेतृत्व में बागी सांसद लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की। सूत्रों का कहना है कि टीएमसी के बागी गुट ने नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय का फैसला किया है। इस पार्टी की मौजूदगी असम, त्रिपुरा, बंगाल और उत्तर पूर्व राज्यों में है। इस पार्टी में विलय करेंगे और एनडीए का समर्थन करेंगे।

टीएमसी के बागी सांसदों की बैठक

रविवार को फिर भूपेंद्र यादव के आवास पर बागी सांसदों ने बैठक की। इस बैठक में सांसद निशिकांत दूबे भी उपस्थित थे। इस बैठक में आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक के बाद बागी सांसद लोकसभा स्पीकर के आवास पर पहुंचे। स्पीकर के आवास से जो तस्वीरें सामने आई हैं उनमें काकली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, सुदीप बनर्जी, सयानी घोष, माला रॉय, अरूप चक्रवर्ती, घाटल के सांसद दीपक अधिकारी (देव), यूसुफ पठान, जून माल्या, प्रसून बनर्जी, शर्मिला सरकार, मिताली बाग, अबू ताहिर और खलिलुर्रहमान दिखाई दे रहे हैं।

काकोली बोली, एनडीए का करेंगे समर्थन

स्पीकर के साथ बैठक के बाद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि हम टीएमसी से चुने गए बीस सांसद स्पीकर से मिले और अलग बैठने की रिक्वेस्ट करते हुए एक पत्र दिया; ये बीस सांसद हमारी कुल संख्या का दो-तिहाई से ज्यादा हैं। हम नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी के साथ मर्ज कर रहे हैं। आगे बढ़ते हुए, हम देश के लिए काम करेंगे और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एनडीए के साथ मिलकर काम करेंगे।

असली तृणमूल का फैसला कोर्ट में होगा

बागी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि एनसीपीआई में हम मर्ज करेंगे। स्पीकर के पास हस्ताक्षर सहित आवेदन पत्र जमा दिया गया है। उसके बाद 20 जुलाई को लोकसभा खुलेगा, उससे पहले हमारा ब्लॉक रहेगा। उन्हें दफ्तर दिया जाएगा। उसके बाद कौन असली तृणमूल है। इसका फैसला कोर्ट में होगा और कोर्ट का जो फैसला होगा। उसे माना जाएगा। इससे पहले काकोली घोष दस्तीदार ने 19 सांसदों का हस्ताक्षरित पत्र लोकसभा स्पीकर को दिया था। इस पत्र में टीएमसी का अलग गुट बनाने का दावा किया गया था , लेकिन अब अलग पार्टी एनसीपीआई में शामिल होने का फैसला किया है।

ऑपरेशन लोटस के बीजेपी इंचार्ज से मिले...

दूसरी ओर, टीएमसी के वरिष्ठ सांसद सौगत रॉय ने बागी टीएमसी सांसदों के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिलने पर कहा, मैं क्या कह सकता हूं? ये लोग हमारी पार्टी छोड़ चुके हैं। अगर वे पश्चिम बंगाल में ऑपरेशन लोटस के इंचार्ज बीजेपी से मिलते हैं, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। अगर वे आज स्पीकर से मिलते हैं तो ठीक है, हमने बीजेपी और एनडीए के खिलाफ लड़ाई लड़ी। एनडीए में शामिल होना गलत है।

युवती पर दिनदहाड़े कोयते से जानलेवा हमला

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

पालघर से दिनदहाड़े जानलेवा हमले की घटना सामने आई है। पालघर शहर के गोल्ड सिनेमा परिसर में गुरुवार शाम एक युवती पर दिनदहाड़े कोयते से जानलेवा हमला किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। हमलावर ने युवती की गर्दन और कमर पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना शाम 6:30 से 7:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। इस हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। हमले में घायल हुई युवती का नाम स्नेहल सावंत (27 वर्षीय) बताया जा रहा है।

युवती गंभीर रूप से घायल

इस घटना के बाद गंभीर रूप से घायल युवती को तत्काल उपचार के लिए पालघर ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत गंभीर होने के कारण बाद में उसे बोइसर शहर के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, घायल युवती पालघर जिला कलेक्टर कार्यालय के राजस्व विभाग में कर्मचारी के रूप में कार्यरत है। इस हमले की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक आरोपी एक कोर्ट में शिपाई के पद पर कार्यरत है।

जांच में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही पालघर पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक अनंत पराड अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। घटना के बाद फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है और आगे की जांच की जा रही है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है, लेकिन हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। दिनदहाड़े हुए इस जानलेवा हमले से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है, जबकि घायल युवती का इलाज जारी है।

लिफ्ट में थूकने को लेकर बड़ा बवाल!

•पति-पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला... सीसीटीवी में खुला राज

हिंदमाता नेटवर्क @ पिंपरी-चिंचवड़

पिंपरी-चिंचवड़ के मोरवाड़ी इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। लिफ्ट में शू रैक पर थूकने जैसी मामूली सी बात को लेकर बड़ा विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गया। इस घटना में एक जोड़े पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। यह घटना बुधवार रात की बताई जा रही है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

विवाद कैसे बढ़ा हिंसा तक

जानकारी के अनुसार, लिफ्ट में शू रैक पर थूकने को लेकर शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे बढ़ गया। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित महिला के पति पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। अचानक हुए इस हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस मामले में एक महिला और एक नाबालिग लड़के पर मामला दर्ज किया गया है, जबकि महिला आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप

इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब आरोपी पक्ष के पति योगेश उभयकर ने शिकायतकर्ता परिवार पर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि शिकायतकर्ता परिवार लंबे समय से उनके परिवार को मानसिक रूप से परेशान कर रहा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके 17 साल के बेटे के साथ भी मारपीट की गई थी और घर में घुसकर उसे पीटा गया था। वहीं, शिकायतकर्ता पक्ष ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

संत तुकाराम नगर पुलिस स्टेशन इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस दोनों पक्षों के सीसीटीवी, बयान और घटनाक्रम की जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके। फिलहाल इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

नाशिक में अनोखा संयोग या गहरा प्यार?

पति के बाद पत्नी की भी हुई मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

पति-पत्नी के रिश्ते को जीवनभर का साथ माना जाता है। सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ निभाने वाले इस रिश्ते की ऐसी ही भावुक तस्वीर महाराष्ट्र के नाशिक जिले के मनमाड में देखने को मिली। यहां पति की मौत का सदमा पत्नी सहन नहीं कर पाईं और महज दो घंटे के अंदर उनकी भी मौत हो गई। इस घटना के बाद एक ही घर से पति-पत्नी की अंतिम यात्रा निकलने से पूरे इलाके में शोक का माहौल है। मनमाड शहर के शांतीनगर इलाके में रहने वाले सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी अर्जुन देवरे को हृदय रोग की समस्या होने के कारण नाशिक के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। उनकी पत्नी सुनंदा देवरे परिवार के साथ अस्पताल में रहकर लगातार उनकी देखभाल कर रही थीं। हालांकि, अर्जुन देवरे की तबीयत में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ था।

पति की मौत की खबर सुनते ही बिगड़ी पत्नी की हालत

कुछ जरूरी सामान लेने के लिए सुनंदा देवरे एक दिन पहले मनमाड स्थित अपने घर वापस आई थीं। गुरुवार को वह दोबारा नाशिक जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी परिवार को अर्जुन देवरे के निधन होने की खबर मिली। इसके बाद परिजनों ने उनके अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी और पार्थिव शरीर को मनमाड लाने के लिए रिश्तेदार रवाना हो गए। परिवार की योजना थी कि शाम करीब पांच बजे अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। लेकिन इसी बीच घर में एक और दुखद घटना हो गई। पति की मौत की खबर सुनने के बाद 68 साल की सुनंदा देवरे की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें दिल का दौरा पड़ा और तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

अस्पताल में इलाज के दौरान पति की मौत के करीब दो घंटे बाद ही सुनंदा देवरे ने भी दम तोड़ दिया। पति का पार्थिव शरीर घर पहुंचने से पहले ही पत्नी की मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद देवरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मजबूरी में परिवार को एक ही दिन पति-पत्नी दोनों की अंतिम यात्रा निकालनी पड़ी। बताया गया कि अर्जुन और सुनंदा देवरे की दो बेटियां और एक बेटा था। हालांकि, करीब दो साल पहले उनके युवा बेटे की भी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। लगातार हुए इन हादसों ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

एम्बुलेंस चालक की 10 लोगों ने लोहे की रॉड से की पिटाई

गंभीर हालत में केईएम अस्पताल में भर्ती

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण के टिटवाला स्थित सांगोडा रोड क्षेत्र के मल्हार चौक में एक एम्बुलेंस चालक पर मामूली बात को लेकर कथित रूप से 10 लोगों ने हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने चालक को गालियां देते हुए लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा। इस हमले में उसकी आंख, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल चालक का मुंबई के केईएम अस्पताल में उपचार जारी है।

पीड़ित की पहचान

घायल चालक की पहचान किशोर सोपान देशमुख (36) निवासी दत्तकुपा चाल, मांडा-सांगोडा रोड, टिटवाला के रूप में हुई है। इस मामले में स्थानीय निवासी राम रमेश भोईर और उनके 10 समर्थक मजदूरों के खिलाफ टिटवाला पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

कचरे में पड़े पॉपकॉर्न से शुरू हुआ विवाद

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, किशोर देशमुख पिछले सप्ताह रात को काम से घर लौट रहे थे। मल्हार चौक स्थित एकविरा माता मंदिर के पास उन्हें कचरे के ढेर में पॉपकॉर्न के कुछ पैकेट दिखाई दिए। पैकेट सही हालत में होने के कारण उन्होंने उन्हें उठाने का प्रयास किया। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचे और पॉपकॉर्न के बारे में पूछताछ करने लगे। कुछ ही देर में कथित रूप से आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए देशमुख पर हमला कर दिया।

लोहे की रॉड से बेरहमी से पिटाई

शिकायत में कहा गया है कि एक साथ कई लोगों ने देशमुख को घेर लिया और लोहे की रॉड से सिर, आंख, पैर और माथे पर वार किए। हमले के दौरान उन्हें जमीन पर गिराकर पीटा गया। अचानक हुए हमले से देशमुख को बचाव का कोई मौका नहीं मिला और आसपास कोई मदद के लिए भी नहीं आया।

नदी किनारे फेंकने का आरोप

देशमुख का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी उन्हें रिक्शा में बैठाकर वासुंद्री क्षेत्र में नदी किनारे ले गए और वहां अचेत अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। होश आने पर उन्होंने अपने पिता और भाई को फोन किया। परिजन उन्हें पहले ग्रामीण अस्पताल और बाद में उल्हासनगर के केंद्रीय अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें अंततः मुंबई के केईएम अस्पताल रेफर किया गया।

बढ़ती गुंडागर्दी से रहवासी चिंतित

टिटवाला पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर टिटवाला और मांडा क्षेत्र में बढ़ती गुंडागर्दी, मारपीट और तोड़फोड़ की घटनाओं से स्थानीय निवासी चिंतित हैं। क्षेत्र में हाल ही में घर खरीदकर आए कई लोगों ने कानून-व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा है कि शांत वातावरण की उम्मीद से यहां बसे थे, लेकिन अब आए दिन आपराधिक घटनाएं देखने को मिल रही हैं।

महिलाओं के गले से सोने की चेन छीनने वाले गिरोह का भंडाफोड़

9 लाख 81 हजार रुपए की सोने की माल बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

ठाणे पुलिस की सीमा में महिलाओं को निशाना बनाकर उनके गले से जबरन मंगलसूत्र और सोने की चेन छीनने वाले शातिर चोरों के गिरोह का उल्हासनगर क्राइम ब्रांच ने सफलतापूर्वक भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से तीन चोरी के दोपहिया वाहन और कुल 9 लाख 81 हजार रुपए की कीमती आभूषण सामग्री बरामद की गई है।

चोरी का तरीका

आरोपी चोरी की मोटरसाइकिलों पर घूमते हुए महिलाओं पर अचानक हमला करते और उनके गले से मंगलसूत्र व सोने की चेन झटककर फरार हो जाते थे। ठाणे, कल्याण और बदलापुर क्षेत्र में इनके कई ऐसे वारदातों का खुलासा हुआ है। विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक जबरन चोरी के मामले की जांच के दौरान क्राइम ब्रांच यूनिट-4 को गुप्त सूचना मिली। सूचना के आधार पर टीम ने कुशल जाल बिछाकर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आईं। जिसमें सोने का मंगलसूत्र, सोने की चेनें, अन्य आभूषण, तीन चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किया।

चोरी के कई मामलों का हुआ खुलासा

इस एक कार्रवाई से विठ्ठलवाड़ी, कासरवडावली, कालवा, हिललाइन, शिवाजीनगर, बदलापुर पूर्वी और पश्चिमी पुलिस स्टेशनों में दर्ज कई चोरी के मामलों का खुलासा हो गया है। गिरफ्तार आरोपी में हुसैन मुख्तार ईरानी उर्फ गजनी, गुलाम अभ्यास अमीर अली ईरानी एरेस्ट किया। यह सफल ऑपरेशन ठाणे पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच यूनिट-4 की टीम द्वारा अंजाम दिया गया। आरोपी के खिलाफ आगे की जांच जारी है। पुलिस की इस कार्रवाई ने महिलाओं में सुरक्षा की भावना बढ़ाई है और चेन स्नैचिंग जैसे अपराधों पर लगाम कसने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हुई है।

गुलाब पवार के उल्हासनगर मराठी पत्रकार संघ के अध्यक्ष चुने जाने पर स्थानीय पत्रकार खुश

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

ठाणे वैभव के उल्हासनगर प्रतिनिधि गुलाब पवार उल्हासनगर मराठी पत्रकार संघ के अध्यक्ष चुने गए हैं। पत्रकार इस बात से संतुष्ट हैं कि पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए यह चयन किया गया है। मराठी पत्रकार संघ के अध्यक्ष पद के लिए चयन प्रक्रिया शुक्रवार शाम को संपन्न हुई। इस अवसर पर संघ के पूर्व अध्यक्ष संजय राजगुरु ने औपचारिक रूप से नव नियुक्त अध्यक्ष गुलाब पवार को अपना पदभार सौंप दिया। वरिष्ठ पत्रकार दिनेश गोगी, राजू गायकवाड़, रामेश्वर गवई, प्रमोद दलवी, संजय राजगुरु के साथ-साथ पत्रकार सुनील इंगले, शिवाजी वाघ, प्रकाश सोनवाने आदि भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उपस्थित पत्रकारों ने गुलाब पवार को बधाई दी और उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। जैसे ही गुलाब पवार के उल्हासनगर मराठी पत्रकार संघ के अध्यक्ष चुने जाने पर सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठन उन्हें बधाई देने लगे और विश्वास व्यक्त करने लगे कि उनके नेतृत्व में संघ अधिक प्रभावी ढंग से काम करेगा।

हाईटेंशन टॉवर पर चढ़ी महिला की बचाई जान

आत्महत्या की धमकी से मचा हड़कंप

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

रविवार को वसई पूर्व के राजवली गांव में मधुबन सुरक्षा स्मार्ट सिटी के पास एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। एक महिला हाईटेंशन बिजली टॉवर पर 40-45 फीट ऊंचाई तक चढ़ गई और नीचे कूदकर आत्महत्या करने की धमकी देने लगी। सूचना मिलते ही वसई-विरार महानगरपालिका की आचोले अग्निशमन केंद्र की रेस्क्यू टीम और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। करीब डेढ़ घंटे की लगातार समझाइश और बचाव अभियान के बाद महिला को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया।

घटना का विवरण

रविवार 14 जून 2026 को सुबह 11:46 बजे स्टेशन रोड के पास इस घटना की सूचना मिली। महिला टॉवर पर काफी ऊपर चढ़ चुकी थी। वालीव पुलिस स्टेशन की टीम ने तुरंत क्षेत्र की सुरक्षा संभाली, जबकि आचोले मुख्य अग्निशमन केंद्र की रेस्क्यू टीम अग्निशमन वाहन एमएच-48-बीएम-6393 के साथ पहुंची। टीम ने जंपिंग सीट और अन्य सुरक्षा उपकरणों के साथ बचाव कार्य शुरू किया। अग्निशमन कर्मियों, पुलिस अधिकारियों और महिला के परिजनों ने मिलकर उसे लगातार समझाया। लंबी बातचीत के बाद महिला शांत हुई और दोपहर 1:15 बजे सफलतापूर्वक रेस्क्यू अभियान पूरा किया गया।

रेस्क्यू टीम के सदस्य

वाहन चालक: विराग म्हात्रे, अग्निवीर: मोनीश पाटील, अग्निवीर: दर्शन पाटील, अग्निवीर: सागर पाटील, अग्निवीर: मंगेश पाटील, अग्निवीर: जीत म्हात्रे

प्रशासन की सराहना

अग्निशमन विभाग की तत्परता, पुलिस का उचित सहयोग और परिवारजनों की समझाइश से एक बड़ी त्रासदी को टाला गया। पूरे ऑपरेशन के दौरान कोई अनहोनी नहीं हुई और सभी जवान व उपकरण सुरक्षित रहे। पुलिस अब महिला के मानसिक स्वास्थ्य की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है। इस घटना ने एक बार फिर हाईटेंशन टावरों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नाला सफाई सिर्फ 35% पूरी

भिवंडी मनपा पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

शहर में जनप्रतिनिधि, स्वच्छता विभाग प्रमुख आपसी साठगांठ कर नाला, शहर स्वच्छता के नाम पर प्रति माह करोड़ों रुपए मनपा तिजोरी से लूट रहे हैं। शहरवासियों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों को मनपा राजस्व नुकसान की नहीं, सिर्फ अपनी जेब भरने से मतलब है। शहर स्वच्छता के नाम पर प्रति माह करीब 3 करोड़ ठेकेदारों को भुगतान किए जाने के बाद भी शहर में चारों ओर कचरा बजबजाता रहता है। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों की मिलीभगत से बारिश सिर पर होने के बाद भी नाला सफाई 35% हो सकी है। जनहित संस्था ने जांच कराने की मांग की जनहित सामाजिक संस्था ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भिवंडी में कचरा सफाई, नाला, गटर सफाई कार्यों के नाम पर हो रही करोड़ों रुपए लूट की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। गौरतलब हो कि, भिवंडी मनपा में भ्रष्टाचार चरम पर है। मनपा आईएएस आयुक्त अनमोल सागर भी अब मनपा अधिकारियों, कर्मचारियों के भ्रष्टाचार को रोकने को लेकर गंभीर नहीं दिखाई पड़ते हैं। भिवंडी मनपा में विकास कार्यों सहित शहर स्वच्छता, नाला सफाई आदि जनहित कार्यों को अंजाम देने वाले तमाम ठेकेदार अधिकारियों को कमीशन देकर 100 में से 30% कार्य कर मालामाल हो रहे हैं। प्रशासन से जुड़े तमाम अधिकारी छद्म भेष में ठेकेदार की भूमिका में हैं।

तातली पर मनपा प्रशासन का हाथ

मनपा आयुक्त अनमोल सागर और उपायुक्त विक्रम दराडे के कृपापात्र स्वच्छता विभाग के सहायक आयुक्त फैसल तातली अपने भाई के साथ आधा-अधूरा सफाई कार्य कर मनपा तिजोरी को प्रति माह लाखों का चूना लगा रहे हैं। तातली की पीठ पर मनपा प्रशासन का हाथ होने से उसे किसी का खौफ नहीं है। आरोप है कि तातली प्रति माह कागजों में हेरफेर कर बोगस बिल बनाकर मनपा तिजोरी को साफ कर रहा है। केंद्र, एवं राज्य सरकार से स्वच्छता अभियान मद में आने वाले करोड़ों रुपए में भारी भ्रष्टाचार तातली द्वारा किए जाने की चर्चा मनपा में फैली है जिसकी विस्तृत जांच बेहद जरूरी है।

नाला सफाई अधर में

मनपा ने करीब 3 करोड़ रुपए में नाला, गटर सफाई का टेंडर टेकेदारों को दिया है। आश्चर्यजनक है कि ठेकेदारों को कमीशन देकर जनप्रतिनिधि, पार्षद, अधिकारी गटर की सफाई दिहाड़ी मजदूरों से करा रहे है। कभी कभार नालों में 2-5 दिहाड़ी मजदूर सफाई करते देखे जाते है। बाल मजदूर भी सफाई करते देखे जाते हैं। विगत दिनों कोई सुरक्षा नहीं होने से लापरवाही के कारण एक मजदूर की मौत दम घुटने से हुई है।

एफडीए की बड़ी कार्रवाई

मुंबई व सातारा में लाखों रुपए का माल जब्त

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए राज्यभर में विशेष अभियान चलाकर कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की है। जांच के दौरान मिसब्रांडेड, भ्रामक दावों वाले तथा बिना लाइसेंस के बनाए और बेचे जा रहे सौंदर्य प्रसाधनों का बड़ा भंडार जब्त किया गया है।

कराड में बड़ी जब्ती

सतारा जिले के कराड स्थित राजलक्ष्मी टेलीकम्युनिकेशन में 12 जून को की गई जांच के दौरान कई कॉस्मेटिक उत्पादों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। बाहरी पैकेजिंग पर बैच नंबर और निर्माण तिथि अंकित थी, लेकिन अंदर की बोतलों पर आवश्यक जानकारी नहीं थी। कई उत्पादों पर निमार्ता का नाम भी दर्ज नहीं था। प्रथम दृष्टया इन्हें मिसब्रांडेड माना गया और लगभग 29.45 लाख रुपए का स्टॉक जब्त कर लिया गया।

क्रॉफर्ड मार्केट में जांच

13 जून को मुंबई के क्रॉफर्ड मार्केट स्थित एम/एस ब्यूटी सेंटर की जांच में कई कॉस्मेटिक उत्पादों पर बैच नंबर, लाइसेंस नंबर और निमार्ता संबंधी जानकारी अधूरी मिली। साथ ही कुछ उत्पादों पर भ्रामक दावे किए गए थे। इस कार्रवाई में 1.20 लाख रुपए मूल्य का स्टॉक सीज किया गया।

कांदिवली में बिना लाइसेंस उत्पादन

एफडीए को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर कांदिवली पश्चिम स्थित मेसर्स रेडिएंट क्रिएशंस पर छापा मारा गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि दवाइयों और सौंदर्य प्रसाधनों का निर्माण तथा भंडारण बिना वैध लाइसेंस के किया जा रहा था। मौके से तैयार माल, कच्चा माल और उत्पादन में उपयोग होने वाली मशीनरी सहित 3.96 लाख रुपए का सामान जब्त किया गया।

कड़ी कार्रवाई जारी

एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले नकली, भ्रामक या बिना लाइसेंस वाले उत्पादों के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

'क्राइम पेट्रोल' देखकर शातिर बना चेन स्नैचर

पुलिस ने फिल्मी अंदाज में दबोचा, सीसीटीवी फुटेज भी आया सामने

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे से सटे पिंपरी चिंचवड शहर और आस-पास के इलाकों में पिछले डेढ़-दो महीनों से आतंक का पर्याय बने एक शातिर चेन स्नैचर को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान सुमित इंगले के रूप में हुई है, जो मूल रूप से सोलापुर का रहने वाला है। पिंपरी चिंचवड के एडिशनल पुलिस कमिश्नर सारंग आव्हाड ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पूरे मामले का खुलासा किया। आरोपी को पकड़ने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोगों का कहना है कि पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में आरोपी को पकड़ा है।

पुलिस ने खंगाले 200 सीसीटीवी फुटेज

एडिशनल पुलिस कमिश्नर सारंग आव्हाड ने बताया कि पिछले कुछ समय से शहर में लगातार चेन स्नैचिंग की वारदातें हो रही थीं, जिससे पुलिस काफी दबाव में थी। सांगवी पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई एक हालिया वारदात के बाद क्राइम ब्रांच की यूनिट 1 को इसकी जांच सौंपी गई। पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत करते हुए वारदात के रूट से जुड़े करीब 150 से 200 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज के विश्लेषण से पुलिस को सुराग मिला कि आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद बाणेर की तरफ भागता है और बाणेर-पुणे हाईवे का इस्तेमाल करता है।

फिल्मी स्टाइल में आरोपी को दबोचा

सुराग मिलते ही पुलिस की फील्ड टीम ने पिछले तीन-चार दिनों से संबंधित हाईवे और संभावित ठिकानों पर ट्रैप (जाल) लगाया हुआ था। सुबह के वक्त पुलिस को संदिग्ध आरोपी दिखाई दिया। जब आरोपी एक डेड-एंड (बंद रास्ते) की तरफ बढ़ा, तो मुस्तैद पुलिस टीम ने उसे चारों तरफ से घेर लिया और दबोच लिया। सोशल मीडिया पर पुलिस की इस कार्रवाई का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिसकर्मी भेष बदलकर आरोपी को पकड़ते दिख रहे हैं। एडिशनल कमिश्नर ने पुष्टि की कि यह वीडियो इसी कार्रवाई का है और पूरी टीम को इस बेहतरीन काम के लिए पुरस्कृत किया

क्राइम पेट्रोल देखकर सीखा अपराध

पुलिस पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दरअसल, आरोपी सुमित इंगले कोई नौसिखिया नहीं है, बल्कि वह 2016 से 2024 के बीच एक एक्टिव चेन स्नैचर रहा है। उसके खिलाफ पुणे शहर, पुणे ग्रामीण और पिंपरी चिंचवड में पहले से ही 8 आपराधिक मामले दर्ज हैं। जेल से बाहर आने के बाद उसने गुजारे के लिए कुछ अन्य काम करने की कोशिश की थी, लेकिन जुए की लत के कारण वह सफल नहीं हो सका और दोबारा अपराध की दुनिया में लौट आया। आरोपी ने कबूल किया कि उसने टीवी शो 'क्राइम पेट्रोल' के दो एपिसोड देखे थे, जिससे सीख लेकर उसने पुलिस से बचने और चेन स्नैचिंग करने की अपनी तकनीक को और बेहतर किया था।

पुरानी घटनाओं का खुलासा

पुलिस के अनुसार, आरोपी सुमित इंगले अकेले ही इन वारदातों को अंजाम देता था। उसके पास दो गाड़ियां थीं, जिनमें से एक उसकी खुद की थी और दूसरी वह आमतौर पर दैनिक किराए पर लेता था। इस गिरफ्तारी के बाद पिंपरी चिंचवड कमिश्नरेट क्षेत्र में हुई चेन स्नैचिंग की 5 वारदातें सुलझ चुकी हैं। पुलिस ने अब तक आरोपी के पास से 76 ग्राम सोना बरामद किया है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 15 लाख है।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे के जन्मदिन पर कई जनसेवा कार्यक्रम आयोजित

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अध्यक्ष राजसाहेब ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर उल्हासनगर मनसे शाखा द्वारा अंबरनाथ के गणेश मंदिर में पूजा अर्चना गयी। और दोपहर में सरकारी हॉस्टल में अनाथ बच्चों को रजिस्टर.स्कूल बैग और अन्य स्कूल साहित्य का वितरण किया गया. हॉस्टल परिसर में पेड़ लगाकर और विद्यालय में पेड़ लगाकर राजसाहेब का जन्मदिन मनाया गया। यह कार्यक्रम का आयोजन मनसे अध्यक्ष बंडू देशमुख और उपशहर अध्यक्ष धनंजय गुरव ने किया था। इस मौके पर जिला संगठक दिलीप थोरात, मनसे जिला अध्यक्ष धनंजय गुरव, सचिन बेंडके, मुकेश सेठपलानी, रवि पाल और अविनाश सुरसे समाजसेवी प्रदीप गरद, मनसे उप जिला अध्यक्ष कल्पेश माने, शहर संगठक अशोक गरद, आशुतोष थोरात, विभाग अध्यक्ष अमोल पाटिल, नटवर वसीटा, सुहास बनसोडे, प्रमोद पालकर, संजय नार्वेकर, संकेत शिंदे, राहुल राणे, जफर शेख, संजय शिंदे, मुकेश चव्हाण, सचिन शिरसाठ, सचिन विभूते, शोलक बेंडके लड्डुन रैन और अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

हिंदमाता एंकर: वीडियो वायरल होते ही रेलवे के खिलाफ नेटीजंस ने छेड़ी जंग

प्लेटफॉर्म टिकट होने पर भी 500 रुपए का जुर्माना!

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

सोशल मीडिया पर इन दिनों कल्याण रेलवे स्टेशन का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने भारतीय रेलवे के नियमों और यात्रियों की परेशानियों को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है। इस वीडियो में एक यात्री और रेलवे टिकट कलेक्टर के बीच हुई गहमागहमी दिखाई दे रही है, जिसका मुख्य कारण ट्रेन की भारी देरी और उसके परिणामस्वरूप लगा भारी जुमार्ना है।

क्या है पूरा मामला?

यह घटना 11 जून की है, जब कल्याण जंक्शन पर एक व्यक्ति अपने रिश्तेदारों को लंबी दूरी की ट्रेन में बिठाने के लिए स्टेशन पहुंचा था। निर्धारित समय के अनुसार, उक्त ट्रेन दोपहर 12 बजे आने वाली थी, लेकिन किन्हीं कारणों से ट्रेन अपने समय से 5 घंटे की देरी से शाम 5 बजे प्लेटफॉर्म पर पहुंची। रिश्तेदारों को छोड़ने आए इस व्यक्ति ने सुरक्षा और नियम का पालन करते हुए प्लेटफॉर्म टिकट खरीदा था।

जुमार्ने की वजह और यात्री का तर्क

विवाद तब शुरू हुआ जब टिकट कलेक्टर ने यात्री का टिकट चेक किया। रेलवे के मौजूदा नियमों के अनुसार, एक प्लेटफॉर्म टिकट जारी होने के बाद केवल 2 घंटे के लिए वैध होता है। चूंकि ट्रेन 5 घंटे लेट थी, इसलिए उस व्यक्ति का प्लेटफॉर्म टिकट तकनीकी रूप से एक्सपायर हो चुका था। इसी नियम का हवाला देते हुए टीसी ने यात्री पर 500 रुपए का जुमार्ना लगा दिया। यात्री का तर्क था कि प्लेटफॉर्म पर अधिक समय बिताने के लिए वह नहीं, बल्कि रेलवे की लेट-लतीफी जिम्मेदार है। जब ट्रेन ही 5 घंटे देरी से आई, तो एक आम नागरिक को उसकी सजा क्यों दी जा रही है?

सोशल मीडिया पर फूटा गुस्सा

यात्री द्वारा बनाए गए इस वीडियो के वायरल होते ही हजारों नेटिजन्स ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है। कई यात्रियों ने कमेंट में बताया कि उन्हें भी अलग-अलग स्टेशनों पर इस तरह के अनुभवों का सामना करना पड़ा है। लोगों का कहना है कि जहां एक तरफ 3 घंटे से अधिक की देरी होने पर यात्रा टिकटों पर रिफंड की सुविधा मिलती है, वहीं प्लेटफॉर्म टिकट के लिए ऐसी कोई राहत या रिफंड पॉलिसी नहीं है।

नियमों की पेचीदगी

रेलवे के नियमों के अनुसार, प्लेटफॉर्म टिकट की वैधता का ट्रेन के आने-जाने के समय से कोई सीधा संबंध नहीं होता। कर्मचारी केवल नियमों का पालन कर रहे थे, लेकिन इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या रेलवे के इन नियमों में मानवीय आधार पर बदलाव की जरूरत है। फिलहाल, यह वीडियो इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग रेलवे से इस पर स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं।

लोग खाते हैं इसलिए बिकता है गुटखा

एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के मकोका वाले फैसले पर भड़के फडणवीस के मंत्री

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में इन दिनों गुटखा माफियाओं और प्रशासन के बीच आर-पार की जंग छिड़ी हुई है। एक तरफ अन्न व औषध प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंढे ने अपनी 'सिंघम' वाली छवि के अनुरूप गुटखा तस्करों की कमर तोड़ने के लिए मकोका जैसा सख्त कानून लागू कर दिया है, तो दूसरी तरफ सरकार के ही एक मंत्री ने इस कार्रवाई पर ऐसा अजीब तर्क दिया है जिससे नई राजनीतिक बहस शुरू हो गई है।

मुंढे का मकोका प्रहार: अब खैर नहीं!

एफडिए आयुक्त तुकाराम मुंढे ने साफ कर दिया है कि गुटखा, तंबाकू और निकोटीन युक्त पान मसाले का अवैध धंधा अब सामान्य अपराध नहीं माना जाएगा। उन्होंने आदेश दिया है कि इस अवैध व्यापार में शामिल पूरी चेन चाहे वह उत्पादक हो, सप्लायर हो, ट्रांसपोर्टर हो या गोदाम मालिक सब पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस सख्त कदम से गुटखा माफियाओं में हड़कंप मच गया है क्योंकि मकोका लगने के बाद जमानत मिलना लगभग नामुमकिन हो जाता है।

मंत्री संजय सावकारे का अजीब तर्क

इस कड़ी कार्रवाई के बीच राज्य के मंत्री संजय सावकारे का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने प्रशासन के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि तंबाकू का चलन बहुत पुराना है। लोग खाते हैं इसलिए दुकानदार बेचते हैं। अगर लोग खाना बंद कर देंगे, तो बिक्री अपने आप बंद हो जाएगी। मंत्री ने यहां तक कह दिया कि अगर घर में तंबाकू खाने वाले आम लोगों पर मकोका जैसा कानून लगाया गया, तो यह सरकार के ही गले की हड्डी बन जाएगा।

कार्रवाई नहीं काउंसलिंग करना चाहिए

मंत्री संजय सावकारे का मानना है कि अवैध विक्रेताओं पर जेल की सख्त कार्रवाई करने के बजाय, प्रशासन को उन लोगों का काउंसलिंग करना चाहिए जो तंबाकू खाते हैं। उन्होंने अपील की कि लोगों को खुद अपनी सेहत के लिए तंबाकू छोड़ना चाहिए। हालांकि, उनके इस बयान पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या इसी तर्क को नशे के अन्य सामानों या अवैध धंधों पर भी लागू किया जा सकता है?

कानून बनाम तर्क की लड़ाई

सूत्रों के अनुसार, पुलिस का तर्क है कि मकोका सामान्य ग्राहकों पर नहीं, बल्कि उन संगठित गिरोहों पर लगाया जाता है जो करोड़ों का अवैध व्यापार कर रहे हैं। तुकाराम मुंढे के नेतृत्व में रत्नागिरी से लेकर मुंबई तक छापेमारी जारी है, जहां लाखों का गुटखा जब्त किया गया है। अब देखना यह होगा कि मंत्री जी के इस विरोध के बाद प्रशासन अपनी सख्ती जारी रखता है या फिर गुटखा माफियाओं को फिर से डिमांड और सप्लाई के नाम पर राहत मिल जाती है।

शिंदे को भी मिल सकता है धोखा?

दत्ता मगर के बयान से सियासी हलचल

• किसानों की अनदेखी पर अपनी ही सरकार को घेरा

हिंदमाता नेटवर्क @ पंढरपुर

महाराष्ट्र की राजनीति में समय-समय पर आने वाले राजनीतिक भूचालों के बीच अब एक नई और सनसनीखेज भविष्यवाणी ने हड़कंप मचा दिया है। मालशिरस पंचायत समिति के सभापति और शिवसेना के स्थानीय कद्दावर नेता दत्ता मगर ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसने सोलापुर से लेकर मुंबई तक के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है।

अजित पवार जैसा होगा घात?

पंढरपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दत्ता मगर ने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के साथ क्या हुआ और कैसे उनका धोखा हुआ। जिस तरह अजित दादा के साथ हुआ, ठीक उसी तरह शिवसेना के मुख्य नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ भी घात होने की संभावना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिंदे को अब सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि उनके साथ भी वैसा ही खेल हो सकता है जैसा अजित पवार के साथ हुआ था।

रोहित पवार के मंच से अपनी ही सरकार को घेरा

हैरानी की बात यह है कि शिवसेना शिंदे गुट के पदाधिकारी होने के बावजूद दत्ता मगर, विपक्षी नेता रोहित पवार के अन्नत्याग आंदोलन को समर्थन देने पंढरपुर पहुंचे थे। रोहित पवार वहां किसानों की कर्जमाफी के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। मगर ने मंच से कहा कि वे सरकार का हिस्सा जरूर हैं, लेकिन किसानों के मुद्दे पर वे रोहित पवार के साथ खड़े हैं।

एक दुखी किसान का दर्द

दत्ता मगर के इस बागी तेवर के पीछे उनकी निजी पीड़ा भी सामने आई। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मैं शिवसेना का सभापति जरूर हूं, लेकिन पहले एक किसान हूं। चक्रवात में मेरी खुद की 10 एकड़ की केले की फसल बर्बाद हो गई, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार में पद पर बैठे व्यक्ति की सुनवाई नहीं हो रही, तो आम जनता और किसानों का क्या हाल होगा?

राजनीतिक गलियारों में हलचल

दत्ता मगर ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनका यह संदेश उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तक पहुंचना चाहिए ताकि वे समय रहते सचेत हो सकें। इस सनसनीखेज बयान के बाद सोलापुर के राजनीतिक क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। अब हर किसी की नजर इस बात पर टिकी है कि शिवसेना नेतृत्व और प्रशासन इस चेतावनी या बगावत पर क्या रुख अपनाता है।

महिला कार्यकर्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए शिवसेना चलाएगी विशेष अभियान

जानें क्या है एकनाथ शिंदे की रणनीति

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में महिला कार्यकर्ताओं के बीच संगठन को और मजबूत बनाने के लिए शिवसेना (शिंदे गुट) ने राज्यव्यापी 'शिवदुर्गा-शिव संवाद दौरा' शुरू किया है। इस अभियान को लेकर विधान परिषद सदस्य मनीषा कायंदे ने कहा कि यह सिर्फ एक राजनीतिक दौरा नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर काम कर रही महिलाओं से सीधे जुड़ने और उनकी आवाज सुनने की पहल है। मनीषा कायंदे ने बताया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद श्रीकांत शिंदे की सोच से शुरू किए गए इस अभियान के तहत महिला सेना की पदाधिकारी पूरे महाराष्ट्र का दौरा करेंगी। इस दौरान वे कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी, उनकी समस्याएं सुनेंगी और संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने की दिशा में काम करेंगी। उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ समय में बड़ी संख्या में लोग शिवसेना से जुड़ रहे हैं। खासकर महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में पार्टी का फोकस उन्हें सिर्फ कार्यकर्ता तक सीमित रखने के बजाय नेतृत्व की जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने पर है।

गुटखा और मिलावटखोरी पर सख्त कार्रवाई की जरूरत

गुटखा तस्करों पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम लगाने की चर्चा के बीच मनीषा कायंदे ने कहा कि लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गुटखा ही नहीं, बल्कि दूध, पनीर और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामले में चिंता बढ़ा रहे हैं। कायंदे ने कहा कि आज आम लोगों के लिए असली और नकली उत्पादों में फर्क करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में जो लोग मुनाफे के लिए जनता के स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहे हैं, उन्हें कानून का कड़ा सामना करना चाहिए।

प्रणित मोरे विवाद पर भी बोलीं

इन दिनों चर्चा में बने स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणित मोरे के विवादित शो पर प्रतिक्रिया देते हुए मनीषा कायंदे ने कहा कि कुछ कॉमेडियन लोकप्रियता हासिल करने के लिए मर्यादा पार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हास्य के नाम पर किसी व्यक्ति, परिवार या मृतकों को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां स्वीकार नहीं की जा सकतीं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मुद्दे को आगामी विधान परिषद सत्र में उठाने वाली हैं।

संजय राऊत और विपक्षी दलों पर साधा निशाना

संजय राऊत द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर भी मनीषा कायंदे ने हमला बोला। उन्होंने कहा कि राऊत के बयानों में लगातार विरोधाभास देखने को मिलता है। वहीं कांग्रेस, टीएमसी और उद्धव ठाकरे गुट पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दलों के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और जनता का भरोसा उनसे कम होता जा रहा है।

शाइना एनसी का प्रणित मोरे पर हमला

बोलीं- महिला कोई वस्तु नहीं, ऐसी सोच घिनौनी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

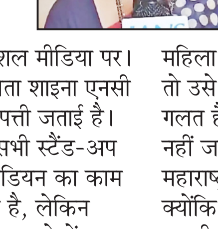

कमेडियन प्रणित मोरे के एक शो के दौरान '370 रुपए की बिरयानी' वाली की गई विवादास्पद टिप्पणी आजकल सुर्खियों में बनी हुई है। यह मामला हर जगह बहस का विषय बना हुआ है, खासकर सोशल मीडिया पर। ऐसे में शिवसेना की नेता शाइना एनसी ने भी इसपर कड़ी आपत्ती जताई है। उन्होंने कहा कि हम सभी स्टैंड-अप कॉमेडी सुनते हैं। कमेडियन का काम लोगों को हंसाना होता है, लेकिन उसे अपनी मयार्दा और दायरे में रहना चाहिए। प्रणित मोरे ने जो किया, वह बिल्कुल निंदनीय है। महिला कोई वस्तु नहीं है कि 370 रुपए खर्च करके उसे हासिल कर लिया जाए। ऐसी सोच बेहद घिनौनी है।' उन्होंने कहा कि हमें समझना चाहिए कि यदि कोई महिला सशक्त और प्रोफेशनल है तो उसे वस्तु की दृष्टि से देखा जाना गलत है। किसी महिला को खरीदा नहीं जा सकता है। इसी आधार पर महाराष्ट्र सरकार ने कार्रवाई की है, क्योंकि कानून का भय होना बहुत जरूरी है।

डॉक्टर की टिप्पणी पर भी जताई नाराजगी

शाइना एनसी ने कहा कि डॉ. सेजल एक डॉक्टर हैं। डॉक्टरों के प्रति आदर और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता है, लेकिन एक डॉक्टर द्वारा किसी शव के निजी अंग को लेकर इस तरह की टिप्पणी करना बेहद गलत है। उन्होंने कहा कि मैं खुश हूं कि उन्होंने माफी मांग ली है, लेकिन पूरे मेडिकल समुदाय ने जो आवाज उठाई, वह पूरी तरह जायज है, क्योंकि यह कोई मजाक का विषय नहीं है। किसी के शरीर या मृत्यु के बाद उसका मजाक उड़ाना अत्यंत दुखद है।'

गुटका तस्करों पर कार्रवाई का समर्थन

महाराष्ट्र में गुटखा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग पर शाइना ने एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के उद्देश्य का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि गुटखा और उससे होने वाले कैंसर के दुष्परिणामों से हर कोई परिचित है। ऐसे में अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मकोका लगाने का अंतिम फैसला सरकार करेगी, लेकिन समाज में जागरूकता लाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

संजय राऊत पर साधा निशाना

संजय राऊत द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'अघोरी' कहे जाने पर शाइना एनसी ने कहा कि संजय राऊत अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। वह महाराष्ट्र के चार्ली चैपलिन बनने की कोशिश करते हैं और लोगों को हंसाना चाहते हैं, लेकिन उनके बयानों से लोग केवल यही समझते हैं कि उनकी जगह मानसिक चिकित्सालय में है। जिस प्रकार वे प्रधानमंत्री के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं, उससे उनकी हताशा साफ दिखाई देती है।' शाइना ने दावा किया कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की राजनीतिक स्थिति कमजोर हो चुकी है और उसके सहयोगी दलों को भी इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है।

टीसीएस विवाद पर की समाक्षा की मांग

टीसीएस से जुड़े विवादों पर टिप्पणी करते हुए शाइना एनसी ने कहा कि कंपनी को अपने संस्थागत ढांचे और कार्यस्थल के माहौल की गंभीरता से समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन में सांप्रदायिक सौहार्द और पेशेवर माहौल बनाए रखना बेहद जरूरी है तथा किसी भी प्रकार की कट्टरता को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए।

'ए आवाज नीचे' महिला पर भड़के जैन मुनि

दादर में सफेद पट्टी विवाद ने पकड़ा तूल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

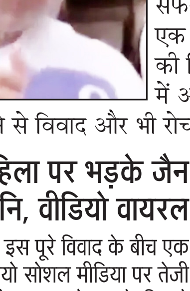

मुंबई का हृदय कहे जाने वाले दादर इलाके में इन दिनों सफेद पट्टी को लेकर विवाद गहरा गया है। दादर पश्चिम के डी. एस. बाबरेकर मार्ग और गोखले मार्ग पर जैन मुनियों के चलने के लिए सड़कों पर बनाई गई सफेद पट्टियों ने स्थानीय नागरिकों और एक विशेष समुदाय के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। इस मामले में अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कूदने से विवाद और भी रोचक और गरमा गया है।

महिला पर भड़के जैन मुनि, वीडियो वायरल

इस पूरे विवाद के बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने आग में घी डालने का काम किया है। वीडियो में दिख रहा है कि जब जैन मुनि मीडिया से बात कर रहे थे, तभी कुछ स्थानीय मराठी महिलाएं अपना विरोध दर्ज कराने पहुंचीं। बहस के दौरान जैन मुनि का पारा चढ़ गया और उन्होंने एक महिला को चिल्लाते हुए कहा, अरे एइ्र आवाज नीचे। मुनि के इस आक्रामक व्यवहार के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

मनसे का अल्टीमेटम और बीएमसी की कार्रवाई

विवाद की जानकारी मिलते ही मनसे नेता संदीप देशपांडे ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि दोपहर 3 बजे तक ये सफेद पट्टियां नहीं हटाई गईं, तो मनसे कार्यकर्ता खुद सड़क पर उतरेंगे और इन पट्टियों पर काला रंग पोत देंगे। मनसे की इस चेतावनी के बाद बीएमसी प्रशासन तुरंत हरकत में आया। बीएमसी के अधिकारी और पुलिस की मौजूदगी में कर्मचारियों ने थिनर की मदद से सड़क पर बनी उन सफेद पट्टियों को मिटाने का काम शुरू कर दिया।

हमने चूड़ियां नहीं पहनी हैं जैन धर्मगुरु की प्रतिक्रिया

संदीप देशपांडे के रुख पर प्रतिक्रिया देते हुए जैन धर्मगुरु निलेश चंद्र मुनि ने कहा कि मनसे नेता दो समुदायों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जैन समाज शांतिप्रिय जरूर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जैन समाज ने चूड़ियां पहनी हैं। उन्होंने संदीप देशपांडे को बाल ठाकरे की याद दिलाते हुए कहा कि बालासाहेब ने हमेशा जैन और मारवाड़ी समाज से प्रेम किया और कभी किसी को परेशान नहीं होने दिया। फिलहाल दादर के इन इलाकों में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। हालांकि प्रशासन ने सड़कों से पट्टियां हटा दी हैं, लेकिन स्थानीय नागरिकों और जैन समुदाय के बीच पैदा हुई यह कड़वाहट राजनीति का नया केंद्र बन गई है। मुनि के वायरल वीडियो और मनसे की 'कार्रवाई' ने इस विवाद को पूरे मुंबई में चर्चा का विषय बना दिया है।

एयर फोर्स अधिकारी के घर फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस को भी दी थी धमकी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

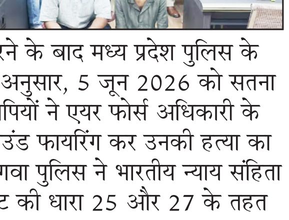

मुंबई पुलिस ने मध्य प्रदेश में एक एयर फोर्स अधिकारी से जुड़े हत्या की कोशिश मामले में वॉन्टेड दो आरोपियों को पकड़ा लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमर सिंह परिहार (25) और अभिज्ञान त्रिपाठी (23) के रूप में हुई है। दोनों को गिरफ्तार करने के बाद मध्य प्रदेश पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, 5 जून 2026 को सतना जिले के कोनगवा थाना क्षेत्र में आरोपियों ने एयर फोर्स अधिकारी के घर के बाहर देसी पिस्टल से पांच राउंड फायरिंग कर उनकी हत्या का प्रयास किया था। इस मामले में कोनगवा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज किया था।

सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर दी थी धमकी

मामला दर्ज होने के बाद आरोपियों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अगली फायरिंग पुलिस पर करने की धमकी दी थी। इसके बाद दोनों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए और फरार हो गए। तकनीकी जांच के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी ग्रे रंग की टाटा नेक्सॉन कार (एमपी 19 जेडएच 7742) में मुंबई के आजाद मैदान, एमआरए और कफ परेड थाना क्षेत्र में घूम रहे हैं।

मध्य प्रदेश पुलिस को सौंपा

कफ परेड पुलिस के साइबर सेल ने तकनीकी जांच और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर आरोपियों का पता लगाया। इसके बाद दोनों आरोपियों को अपराध में इस्तेमाल की गई टाटा नेक्सॉन कार सहित दक्षिण मुंबई के काला घोड़ा इलाके से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर मध्य प्रदेश पुलिस के हवाले कर दिया गया है। मामले की आगे की जांच सतना पुलिस कर रही है।

2 लाख के लिए युवक का अपहरण

निर्वस्त्र कर पीटा

डोंगरी पुलिस ने 5 को किया गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मायानगरी मुंबई के डोंगरी इलाके से एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। यहां महज 2 लाख रुपए के उधारी विवाद में एक 33 वर्षीय युवक का अपहरण कर उसे न केवल बेरहमी से पीटा गया, बल्कि 48 घंटे तक भूखा-प्यासा रखकर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना की सारी हदें पार कर दी गईं। डोंगरी पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए शिकायत दर्ज होने के 24 घंटे के अंदर 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के अनुसार, पीड़ित सचिन रणपिसे (33) ने कुछ समय पहले एक आरोपी से दो लाख रुपए उधार लिए थे। आर्थिक तंगी के कारण सचिन समय पर पैसे नहीं लौटा पाया। उसने मोहलत मांगी, लेकिन आरोपी पैसे वसूलने पर अड़े रहे और खौफनाक साजिश रच डाली।

लॉज में बनाया बंधक

शिकायत के मुताबिक, 8 जून से 10 जून के बीच सचिन का अपहरण कर उसे डोंगरी में बाबा दरगाह के पास स्थित एमएम रेजीडेंसी लॉज के कमरा नंबर 104 में जबरन कैद रखा गया। इन 48 घंटों के दौरान पीड़ित को खाने का एक निवाला और पानी की एक बूंद तक नहीं दी गई। आरोपी लगातार उस पर चमड़े की बेल्ट से हमला करते रहे, जिससे उसके सिर, हाथ और पीठ पर गहरे जख्म हो गए। दरिंदगी की हदें पार करते हुए आरोपियों ने सचिन को पूरी तरह निर्वस्त्र कर लॉज के कॉरिडोर में पैदल चलने पर मजबूर किया।

चंगुल से छूटकर पुलिस के पास पहुंचा पीड़ित

11 जून को पीड़ित सचिन किसी तरह आरोपियों के चंगुल से छूटने में कामयाब रहा और सीधे डोंगरी पुलिस स्टेशन पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में क्राइम डिटेक्शन टीम ने तुरंत जांच शुरू की।

लोकल इंटेलिजेंस की मदद से 5 आरोपी गिरफ्तार

शुरूआत में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले, लेकिन लोकल इंटेलिजेंस (स्थानीय मुखबिरों) की मदद से पुलिस ने मजगांव इलाके में जाल बिछाकर पांचों आरोपियों को धर दबोचा।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

अब्दुल्लाह शौकत भुसारी (21), जुनैद कायमुद्दीन खान (26), मोहम्मद साद पठान (26), अराफात हशम खानानी (24), साहिल शेख (25), पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात से जुड़ी कुछ संपत्तियां भी बरामद की हैं। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

परिसर की गहन तलाशी में जुटा बम निरोधक दस्ता

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण हवाई अड्डों में से एक, मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को लेकर एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। अज्ञात हमलावरों ने ईमेल के जरिए हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी दी है। इस धमकी भरे मेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गई हैं और हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

सुरक्षा जांच और पुलिस कार्रवाई

धमकी मिलने के तुरंत बाद प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है। स्थानीय पुलिस और बीडीडीएस की टीमों ने तत्काल हवाई अड्डा परिसर की गहन तलाशी शुरू कर दी। हालांकि, शुरुआती जांच और तलाशी के दौरान अब तक कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहतीं और हर आने-जाने वाले पर पैनी नजर रखी जा रही है।

लाखों यात्रियों की सुरक्षा का सवाल

मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा न केवल भारत बल्कि दुनिया के प्रमुख हवाई अड्डों में गिना जाता है, जहां से प्रतिदिन हजारों विमान उड़ान भरते हैं और लाखों यात्री आवाजाही करते हैं, । ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर बम की धमकी मिलने से यात्रियों और कर्मचारियों के बीच खलबली मच गई है। पुलिस अब उस ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी है जिससे यह धमकी भेजी गई थी।

धमकियों का सिलसिला जारी

हैरानी की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों में इस तरह की धमकियों की घटनाओं में भारी बढ़ोतरी देखी गई है। कुछ समय पहले ही मुंबई हवाई अड्डे और मशहूर ताज होटल को भी इसी तरह मेल के जरिए उड़ाने की धमकी दी गई थी। इतना ही नहीं, महज दो दिन पहले मुंबई की महापौर रितु तावड़े और पुणे के महापौर को भी जान से मारने और उनके कार्यालय में विस्फोट करने की धमकी मिली थी। लगातार मिल रही इन धमकियों ने राजनीतिक गलियारों और सुरक्षा तंत्र में हड़कंप मचा दिया है। फिलहाल, मुंबई पुलिस साइबर सेल की मदद से इन संदिग्ध मेल भेजने वालों की तलाश कर रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह किसी की शरारत है या कोई बड़ी साजिश।

हिंदमाता एंकर: संकट की घड़ी में दिखाया साहस, सीपीआर देकर बचाई प्रसूता

गडचिरोली में नर्स बनी जीवनरक्षक

हिंदमाता नेटवर्क @ गड़चिरोली

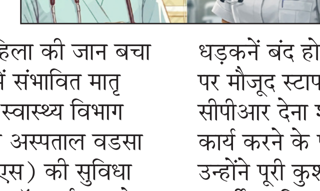

गड़चिरोली देसाईगंज ग्रामीण अस्पताल में एक प्रसूता को प्रसव के बाद अचानक कार्डियक अरेस्ट (हृदय गति रुकने) की गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ा। ऐसे संकटपूर्ण समय में ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स कविता ने अद्भुत सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देकर महिला की जान बचा ली। इस साहसिक कार्य के कारण जिले में संभावित मातृ मृत्यु की एक बड़ी घटना टल गई है और स्वास्थ्य विभाग में नर्स की सराहना की जा रही है। ग्रामीण अस्पताल वडसा में पहले सिजेरियन ऑपरेशन (एलएससीएस) की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। जिला शल्य चिकित्सक डॉ. वर्षा लहाड़े के मार्गदर्शन तथा नियोजन के तहत डॉ. हीना की नियुक्ति के बाद यहां सिजेरियन सेवाएं शुरू हुईं। वर्तमान में अस्पताल में प्रतिमाह 5 से 10 सिजेरियन ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। कुछ दिन पहले डॉ. हीना ने एक गर्भवती महिला का सफल सिजेरियन ऑपरेशन किया था। ऑपरेशन के पांचवें दिन महिला को अचानक तेज झटके (कन्वल्शन) आने लगे और कुछ ही समय बाद उसकी सांसें तथा हृदय की धड़कनें बंद हो गई। इस अत्यंत गंभीर परिस्थिति में ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ नर्स कविता ने बिना समय गंवाए मरीज को सीपीआर देना शुरू किया। प्रतिष्ठित कार्डियक अस्पताल में कार्य करने के पूर्व अनुभव और प्रशिक्षण का लाभउठाते हुए उन्होंने पूरी कुशलता और आत्मविश्वास के साथ मरीज का पुनर्जीवन किया। फिलहाल संबंधित महिला की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और जिला अस्पताल गड़चिरोली में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।

समर्पित कार्यों से विश्वास होता है मजबूत : डॉ .लहाडे

इस उल्लेखनीय कार्य की सराहना करते हुए जिला शल्य चिकित्सक डॉ .वर्षा लहाड़े ने कहा कि वडसा ग्रामीण अस्पताल में डॉ .हीना की नियुक्ति से सिजेरियन सेवा शुरू करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। वहीं स्टाफ नर्स कविता ने संकट की घड़ी में जिस प्रकार प्रशिक्षण, साहस और तत्परता का परिचय दिया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उनके प्रयासों से जिले में एक मातृ मृत्यु टल गई। उन्होंने ग्रामीण अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ .मिसार, डॉ .हीना तथा विशेष रूप से स्टाफ नर्स कविता को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे समर्पित स्वास्थ्यकर्मियों के कारण ही सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत होता है।

समय पर उपचार से बची जान

नर्स कविता ने अकेले ही लगातार प्रयास कर मरीज की स्थिति को नियंत्रित किया और उसे पुनर्जीवित करने में सफलता प्राप्त की। मरीज की स्थिति स्थिर होने के बाद चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मिसार तथा डॉ. हीना की देखरेख में उसे आगे के उपचार के लिए तत्काल जिला अस्पताल गड़चिरोली रेफर किया गया।

52 लाख की कफ सिरप जब्त

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई में चार गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-11 ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मालाड और नवी मुंबई से कोडीन युक्त कफ सिरप की 4,734 बोतलें जब्त की हैं। इस मामले में एक नाबालिग समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त माल की कीमत करीब 52 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि मालाड पश्चिम स्थित एस.वी. रोड इलाके में कुछ लोग नशीले इस्तेमाल के लिए प्रतिबंधित तरीके से कफ सिरप बेचने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने पेट्रोल पंप के सामने जाल बिछाकर कार्रवाई की और चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

153 बोतलें बरामद

कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से 153 बोतलें बरामद हुईं। जांच में पाया गया कि इन सिरप में कोडीन नामक पदार्थ मौजूद था, जिसका दुरुपयोग नशे के लिए किया जाता है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन युवक और एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने नवी मुंबई स्थित एक आरोपी के घर पर छापा मारा। वहां से 4,581 अतिरिक्त बोतलें बरामद की गईं। इसके अलावा एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। इस तरह कुल 4,734 बोतलें पुलिस के कब्जे में आईं।

नेटवर्क की जांच शुरू

पुलिस के अनुसार कोडीन युक्त दवाओं का इस्तेमाल कई बार नशे के लिए किया जाता है, इसलिए इनकी बिक्री पर विशेष निगरानी रखी जाती है। मामले में नाबालिग की संलिप्तता ने जांच एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। मालाड पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अब यह पता लगाया जा रहा है कि यह माल कहां से आया, किसे सप्लाई किया जाना था तथा इसके पीछे कौन-सा बड़ा नेटवर्क सक्रिय है।

दैनिक हिंदमाता मिरर पैनी नजर, पुख्ता खबर

ठाणे, सोमवार 15 जून, 2026

माइंड MIRROR

विचार प्रवाह

जब लक्ष्य जीत की हो, तो हासिल करने के लिए कितना भी परिश्रम, कोई भी मूल्य क्यों न हो उसे चुकाना ही पड़ता है।

– छत्रपति शिवाजी महाराज

संपादकीय

अक्षम्य है भारतीय नाविकों का मारा जाना

खाड़ी में ईरान की नाकेबंदी की कवायद के दौरान अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों का मारा जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिसको लेकर देश में गम व गुस्सा व्याप्त है। यूं तो कहा जाता रहा है कि भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और क्वॉड जैसे संगठनों में भूमिका निभा रहा है, तो फिर लगातार भारत के हितों पर कुठाराघात क्यों किया जा रहा है? भले ही अमेरिका ईरान की तेल निर्यात से होने वाली आय रोकने व युद्ध समाप्त करने हेतु समझौते के लिए दबाव बनाने हेतु ये आक्रामक नीति अपना रहा हो। लेकिन जिन देशों का युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है, उनके नागरिकों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? हाल में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को अमेरिकी सेना द्वारा निशाना बनाया गया है। इसमें से, ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय चालक दल के तीन सदस्य मारे गए हैं। जिससे भारत व अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। वैसे औपचारिक विरोध दर्ज करते हुए भारत ने दिल्ली में एक अमेरिकी राजनयिक को तलब भी किया है। इसके बावजूद भारत के खिलाफ लगातार नकारात्मक रवैया दर्शाने वाले अमेरिका के खिलाफ सख्त स्टैंड लेने की मांग की जा रही है। इसके बावजूद कि भारत क्वॉड में अमेरिका का साझेदार है। विडंबना यह भी है कि जो सूत्रधार संगठन के जरिए समुद्री आवाजाही को स्वतंत्र बनाने की बात करता है, वही अमेरिका इसमें बाधक बना है। भले ही अमेरिका इन जहाजों के प्रतिबंधित होने की बात कहे, या जहाज भारतीय न हों, लेकिन उनमें चालक दल के सदस्य तो भारतीय थे। इसकी जानकारी स्वाभाविक रूप से अमेरिका के खुफिया तंत्र को जरूर रही होगी। अमेरिका को सार्वजनिक रूप से भारतीय नाविकों के मारे जाने पर खेद जताना चाहिए। निश्चय ही भारत के निकट के समुद्री क्षेत्र में अमेरिका का निरंकुश व्यवहार निंदनीय है। कूटनीतिज्ञ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भारत को इस मुद्दे को सख्ती से अमेरिका के सामने उठाना चाहिए था। तमाम भारतीयों को इस मामले में विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया उदार लगती है। सवाल पूछा जा रहा है कि यदि तीन अमेरिकी नागरिक मारे जाते तो क्या अमेरिका चुप बैठता? कहा जा रहा है कि भारत का कड़ा विरोध सामने न आने के कारण होर्मुज स्ट्रेट के पास पलाऊ के झंडे वाले टैंकर पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय के मारे जाने की घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कम चर्चा हुई है। विडंबना है कि अमेरिकी सेना ने एक सप्ताह में भारतीय चालक दल वाले तीन टैंकरों को निशाना बनाया। हालांकि, सोमवार को हुए हवाई हमले के बाद ओमानी अधिकारियों ने 24 भारतीयों को सुरक्षित निकाल लिया था। दरअसल, ट्रंप प्रशासन की निरंकुशता के चलते ही अमेरिका रवैया वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। आखिर अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्र में कारोबारी जहाजों को निशाना बनाने का क्या औचित्य है? अमेरिका को यह अधिकार किसने दे दिया कि वह तटस्थ देशों के नागरिकों को निशाना बनाए? क्यों भारतीय नागरिक अमेरिका व ईरान के बीच जारी संघर्ष की कीमत चुकाएं? इस तरह का शक्ति प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सीधा उल्लंघन है तथा स्वतंत्र नौवहन के मार्ग में बाधक है। भारतीयों का गुस्सा तब कम हो जाता यदि अमेरिका मरने वाले नाविकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर देता। सही मायने में अमेरिका भारत को अपने कारोबारी हितों के साधन के रूप में तो इस्तेमाल करना चाहता है, लेकिन भारतीय आत्मसम्मान व संप्रभुता का मान नहीं रखता। भारत को बदलती अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप ही अपनी कूटनीति का निर्धारण करना चाहिए। हमें दुनिया को बताना चाहिए कि भारत एक उभरता बाजार ही नहीं है, बल्कि सबसे बड़ी आबादी वाला दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी है। दुनिया को संदेश जाना चाहिए कि हम अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमाओं में अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम हैं। अब चाहे सामने अमेरिका हो या चीन जैसे कोई अन्य देश। भले ही अंतर्राष्ट्रीय सीमा में कई जहाज भारत के स्वामित्व वाले न हों, लेकिन भारतीय नागरिकों की सुरक्षा हर कीमत पर की जानी चाहिए।

आज का इतिहास

- 1908- कलकत्ता शेयर बाजार की शुरुआत हुई।
- 1982 - फाकलैंड में अर्जेन्टीना की सैनाओं का ब्रिटिश सेना के समक्ष समर्पण।
- 1994 - सं.रा. अमेरिका ने सल्फर डाईआक्साइड गैस के वायुमंडल में उत्सर्जन को कम कर अम्ल वर्षा रोकने हेतु 26 यूरोपीय देशों और कनाडा के बीच हुए समझौते में शामिल होने से इन्कार किया, इस्त्रायल और वैटीकन सिटी में राजनयिक संबंध स्थापित।
- 1997 - आठ मुस्लिम देशों द्वारा इस्तांबुल में डी-8 नामक संगठन का गठन।
- 1999 - लाकरबी पैन एम. विमान दुर्घटना के लिए लीबिया पर मुकदमा चलाए जाने की अमेरिकी अनुमति।
- 2001 - शंघाई -पांच शिखर सम्मेलन बीजिंग में सम्पन्न, शंघाई पांच अब शंघाई सहयोग संगठन बना, भारत व पाकिस्तान दोनों को सदस्यता न देने का निर्णय।
- 2002 - कनाडा के हैलीफेक्स (नोवा स्कॉटिया) में जी-8 देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक शुरू।
- 2004 - ब्रिटेन के साथ परमाणु सहयोग को राष्ट्रपति बुश की स्वीकृति मिली। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की आत्मकथा 'माई लाइफ' बेस्ट सेलर बनी।
- 2005 - जमैका के आसफा पावेल का एथेंस में 8.77 सेकेण्ड का समय लेकर 100 मीटर फरार्टा दौड़ में नया विश्व रिकार्ड।
- 2006 - भारत और चीन ने पुराना सिल्क रूट खोलने का निर्णय लिया।
- 2008 - आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने पहली बार अल्ट्रावायलेट प्रकाश का विस्फोट कर बड़े सितारों की अंतिम स्थिति देखी।
- 1995 - मनिका बत्रा - राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टेबल टेनिस सितारों में से एक हैं।
- 1976 - नंदीगम सुरेश - आंध्र प्रदेश से भारतीय राजनीतिज्ञ हैं।
- 1964 - जी. किशन रेड्डी - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
- 1953 - कंभमपति हरिबाबू - भारतीय जनता पार्टी से जुड़े राजनेता हैं।
- 1950 - लक्ष्मी मित्तल - भारतीय उद्योगपति।
- 1937 - अण्णा हजारे - गांधीवादी विचारधारा पर चलने वाले एक समाजसेवक।
- 1929 - सुरैया - प्रसिद्ध अभिनेत्री और गायिका
- 1932 - ज़िया फरीदुद्दीन डागर - भारत के मशहूर ध्रुपद गायक।

विरोधाभास का नया हास्य

उर्वरक नीति पर सरकार की कथनी और करनी के बीच बढ़ता विरोधाभास

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

हास्य के प्रचलित स्वरूपों में भारत एक नई विधा आसानी से जोड़ सकता है- 'विरोधाभासी हास्य'। अर्थात जो कहा जाए, उसके बिल्कुल विपरीत किया जाए, या फिर जो करने का दावा हो, व्यवहार में उसका उल्टा ही दिखाई दे। यह हास्य किसी व्यक्ति की अपेक्षा सरकारों और प्रशासनिक तंत्र पर अधिक सटीक बैठता है। क्योंकि कथन और कर्म के बीच दूरी पैदा करने के अवसर सबसे अधिक सत्ता के पास ही होते हैं। इसलिए इस नए हास्य-विन्यास का कॉपीराइट यदि किसी के नाम होना चाहिए तो वह सरकारों के नाम ही होगा। यह भूमिका इसलिए आवश्यक है क्योंकि हाल की एक घटना ने इस विरोधाभास को फिर उजागर कर दिया है।

प्रधानमंत्री की सलाह

कुछ समय पहले हैदराबाद में आयोजित एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को संबोधित करते हुए रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने और जैविक खादों को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और उसकी उर्वरता को सुरक्षित रखने के लिए किसानों को कम से कम 50 प्रतिशत खाद जैविक स्रोतों से प्राप्त करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। यह तथ्य निर्विवाद है कि रासायनिक खादों के लगातार प्रयोग से भूमि की संरचना प्रभावित होती है, मिट्टी में लवणता बढ़ती है और धीरे-धीरे खेत बंजर होने लगते हैं। इसलिए जैविक खादों जैसे गोबर, वर्मी कम्पोस्ट और नीम आधारित उत्पादों के उपयोग को बढ़ाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य विचार है।

सलाह और निर्णय में टकराव

लेकिन प्रधानमंत्री की यह सलाह दिए हुए मुश्किल से एक महीना ही बीता होगा कि केंद्र सरकार ने यूरिया पर दिए जाने वाले अनुदान में लगभग दोगुनी वृद्धि कर दी। आज भारतीय किसान 45 किलोग्राम की एक यूरिया बोरी के लिए लगभग 265 रुपए चुकाता है, जबकि उसकी वास्तविक लागत 2,500 से 4,500 रुपए तक होती है। अर्थात कुल लागत का केवल छह-सात प्रतिशत ही किसान देता है और शेष राशि सरकार वहन करती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब सरकार स्वयं रासायनिक खादों के नुकसान को स्वीकार करती है, तो उनके उपयोग को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा क्यों दे रही है?

आयात पर निर्भरता की हकीकत

यूरिया, फॉस्फेट और पोटाश जैसे प्रमुख उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चा माल भारत को बड़े पैमाने पर विदेशों से आयात करना पड़ता है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और विशेष रूप से ईरान क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण प्राकृतिक गैस की कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे उर्वरकों की लागत भी बढ़ती जा रही है। भारत को हर वर्ष लगभग साढ़े छह करोड़ टन उर्वरकों की आवश्यकता होती है और इसका बड़ा हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। ऐसे में कृषि क्षेत्र की तथाकथित आत्मनिर्भरता वास्तव में विदेशी उर्वरकों और विदेशी कच्चे माल पर निर्भर दिखाई देती है।

बढ़ता आर्थिक बोझ

वर्तमान बजट के अनुसार उर्वरकों और उनसे जुड़े रसायनों के आयात पर लगभग 1.70 लाख करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान था। लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण यह राशि बढ़कर लगभग साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। यह आंकड़े किसी विपक्षी दल या आलोचक के नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र से ही सामने आए हैं। स्पष्ट है कि इस अतिरिक्त व्यय का बोझ अंततः सरकारी खजाने पर ही पड़ेगा और इसका प्रभाव अन्य विकास योजनाओं पर भी दिखाई देगा।

यूरिया का अंधाधुंध उपयोग

इस पूरी व्यवस्था की पहली बड़ी समस्या यह है कि यूरिया अत्यंत सस्ता उपलब्ध होने के कारण उसका जरूरत से ज्यादा उपयोग किया जाता है। इससे भूमि की उर्वरता पर दीर्घकालीन नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एक ओर प्रधानमंत्री किसानों को रासायनिक खाद कम उपयोग करने की सलाह देते हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार भारी अनुदान देकर उसी उपयोग को प्रोत्साहित करती है। यह नीति स्तर पर स्पष्ट विरोधाभास है।

राजनीतिक साहस का अभाव

दूसरा पहलू राजनीतिक है। वर्ष 2014 से पहले भारतीय जनता पार्टी बार-बार यह तर्क देती थी कि उर्वरक अनुदानों में सुधार आवश्यक है और तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह में ऐसा करने का साहस नहीं है। लेकिन सत्ता में आने के बाद इस कथित गलती को सुधारने के बजाय सरकार ने यूरिया अनुदान को लगातार बढ़ाया है। सुधार की बात करने वाले स्वयं उसी व्यवस्था को और मजबूत करते दिखाई दिए हैं।

प्रभावशाली समूहों का लाभ

इस नीति का सबसे अधिक लाभ कुछ चुनिंदा और प्रभावशाली किसान समूहों को मिलता है, विशेषकर वे जो गेहूं और धान जैसी फसलों का बड़े पैमाने पर उत्पादन करते हैं। इन फसलों में यूरिया का उपयोग अधिक होता है। परिणामस्वरूप पंजाब, हरियाणा और अन्य राज्यों में भूमि की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ रही है। विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यही स्थिति बनी रही तो कृषि भूमि की उत्पादकता गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है।

अनुदान वितरण की व्यवस्था

सरकार ने सत्ता में आने के बाद आधार और बैंक खातों को जोड़कर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की व्यवस्था लागू की। इसका उद्देश्य था कि लाभ सीधे पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से यूरिया अनुदान को इस व्यवस्था से बाहर रखा गया। परिणाम यह है कि सब्सिडी का लाभ केवल जरूरतमंद किसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि अनेक ऐसे लोग भी इसका लाभ उठाते हैं जिन्हें इसकी वास्तविक आवश्यकता नहीं है। कृत्रिम रूप से सस्ती रखी गई यूरिया का दुरुपयोग होना स्वाभाविक है।

सुधार का गंवाया अवसर

वास्तव में पश्चिम एशिया का संकट उर्वरक नीति में सुधार का एक अवसर बन सकता था। सरकार चाहती तो बढ़ती लागत का हवाला देकर अनुदान व्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव कर सकती थी। 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव और वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने आर्थिक संकट को अवसर में बदलते हुए व्यापक सुधार लागू किए थे। उसी प्रकार उर्वरक क्षेत्र में भी आवश्यक सुधार किए जा सकते थे। लेकिन सरकार ने इस अवसर का उपयोग करने के बजाय पुरानी व्यवस्था को और मजबूत करने का रास्ता चुना।

विरोधाभास की कीमत

इस पूरे घटनाक्रम का सार यही है कि सरकार एक ओर किसानों को जैविक खेती और रासायनिक खादों से दूरी बनाने की सलाह देती है, जबकि दूसरी ओर यूरिया पर बढ़ता अनुदान उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है जिसे रोकने की बात कही जा रही है। इससे न केवल सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है, बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता और कृषि का भविष्य भी खतरे में पड़ता है। कथनी और करनी के इस विरोधाभास में भले ही कुछ लोगों को हास्य दिखाई दे, लेकिन इसकी कीमत देश की अर्थव्यवस्था और कृषि व्यवस्था को चुकानी पड़ सकती है।

निजी जीवन पर पहरा नहीं

● सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदलते समाज, फैसले का व्यापक महत्व

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

'परस्पर सहमति से विवाह पूर्व शारीरिक संबंध रखने वाले वयस्कों के चरित्र पर संदेह नहीं किया जा सकता'-सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने केवल एक पुलिस कांस्टेबल की नियुक्ति का रास्ता ही साफ नहीं किया है, बल्कि आधुनिक समय के युवाओं को यह भरोसा भी दिया है कि उनके निजी जीवन में शासन, प्रशासन और समाज अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं कर सकते। तेजी से बदलती दुनिया और उसके साथ उभर रहे सामाजिक प्रश्नों को पुराने नैतिक पैमानों से नहीं परखा जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने यह समझ दिखाई है। अब प्रश्न यह है कि क्या समाज भी उतनी ही परिपक्वता दिखाने को तैयार है? इस पर विचार करने से पहले इस मामले की पृष्ठभूमि समझना आवश्यक है।

एक भर्ती से शुरू हुई बहस

तेलंगाना में पुलिस कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया के दौरान चयनित एक युवक ने अपने खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी और धमकी के मामले की जानकारी ईमानदारी से आवेदन पत्र में दी थी। इसी आधार पर भर्ती बोर्ड ने उसकी नियुक्ति रद्द कर दी। न्याय की मांग करते हुए वह मामला अंततः सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। युवक का एक महिला के साथ चार वर्षों तक प्रेम संबंध था। विवाह का आश्वासन देने के बावजूद उसने विवाह नहीं किया। बाद में महिला ने किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया, लेकिन युवक के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी का मामला दर्ज कराया। बाद में यह मामला लोक अदालत में समझौते के जरिए समाप्त हो गया। इसके बावजूद भर्ती बोर्ड ने इसे युवक के चरित्र से जोड़ते हुए उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी।

सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट टिप्पणी

न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने भर्ती बोर्ड का निर्णय रद्द करते हुए युवक की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। इस फैसले में न्यायालय ने जो टिप्पणियां कीं, वे केवल एक व्यक्ति के मामले तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने समाज में व्याप्त नैतिक दोहरेपन को उजागर किया है और यौन संबंधों को लेकर प्रचलित धारणाओं पर गंभीर प्रश्न खड़े

चरित्र की सही कसौटी क्या है?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस, सेना या अन्य सार्वजनिक सेवाओं में भर्ती के दौरान चरित्र सत्यापन आवश्यक है, लेकिन उसका संबंध व्यक्ति की सार्वजनिक जिम्मेदारियों से होना चाहिए। यह देखा जाना चाहिए कि उम्मीदवार अपराधी प्रवृत्ति का है या नहीं, उसमें ईमानदारी है या नहीं, वह हिंसक स्वभाव का तो नहीं। यही वे गुण हैं जो उसकी नौकरी और जिम्मेदारियों को प्रभावित करते हैं। इसके विपरीत, किसी व्यक्ति के निजी यौन जीवन को भर्ती की कसौटी बनाना उचित नहीं है। यह टिप्पणी भारतीय समाज की सोच को चुनौती देने वाली है।

सार्वजनिक और निजी नैतिकता का अंतर

हमारे समाज में अक्सर सार्वजनिक चरित्र और निजी नैतिकता को एक ही मान लिया जाता है। जबकि दोनों अलग-अलग विषय हैं। कोई व्यक्ति धार्मिक अनुष्ठान करता हो, पूजा-पाठ करता हो, लेकिन यदि वह भ्रष्टाचार, कालाबाजारी, जमाखोरी या मिलावट जैसे अपराधों में शामिल है तो उसकी सार्वजनिक नैतिकता संदिग्ध ही मानी जाएगी। दूसरी ओर, किसी के निजी संबंधों को उसके सार्वजनिक दायित्वों की योग्यता का आधार बनाना तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता। दुर्भाग्य से हमारे यहां अक्सर इसके उलट होता है।

समाज की चयनात्मक नैतिकता

आज भी समाज में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां सार्वजनिक हित की रक्षा करने वाले लोगों की तुलना में लोकप्रियता उन लोगों को अधिक मिलती है जो सामाजिक जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हैं। नैतिकता का आकलन भी अक्सर व्यक्ति के निजी जीवन के आधार पर किया जाता है, न कि उसके सामाजिक आचरण के आधार पर। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि सार्वजनिक नैतिकता अधिक महत्वपूर्ण है, अत्यंत प्रासंगिक और स्वागतयोग्य है।

हर प्रेम कहानी विवाह तक नहीं पहुंचती

न्यायालय ने अपने फैसले में एक और महत्वपूर्ण बात कही। उसने स्पष्ट किया कि हर संबंध का अंत विवाह में ही हो, यह आवश्यक नहीं है। यदि कोई प्रेम संबंध विवाह तक नहीं पहुंचता तो मात्र इसी आधार पर उसे धोखाधड़ी नहीं कहा जा सकता। दो वयस्क व्यक्ति यदि अपनी इच्छा और सहमति से संबंध स्थापित करते हैं, तो केवल इसी कारण उनके चरित्र पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। यह विचार भारतीय समाज में लंबे समय से चली आ रही कई रूढ़ धारणाओं को चुनौती देता है।

यौन संबंधों को लेकर सामाजिक विरोधाभास

विडंबना यह है कि जिस देश में कभी 'कामसूत्र' जैसा ग्रंथ लिखा गया और जहां खजुराहो जैसी अद्भुत कलाकृतियां निर्मित हुईं, उसी देश में यौन संबंधों को अत्यधिक नियंत्रित और संकीर्ण दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति विकसित हो गई। जबकि यौन आकर्षण और आनंद मूलतः व्यक्तिगत विषय हैं। किसे कौन पसंद आएगा, कब और क्यों पसंद आएगा, इसका कोई निश्चित गणित नहीं हो सकता। जीवन के ऐसे निर्णयों के परिणाम भी व्यक्ति को स्वयं ही भुगतने पड़ते हैं। समाज और परिवार की भूमिका केवल मार्गदर्शन तक सीमित होनी चाहिए, नियंत्रण तक नहीं।

महिलाओं पर सबसे अधिक दबाव

भारतीय समाज में प्रेम और विवाह के मामलों में महिलाओं पर दबाव कहीं अधिक होता है। आज भी अनेक स्थानों पर जाति, उपजाति या पारिवारिक प्रतिष्ठा के नाम पर युवाओं की पसंद को स्वीकार नहीं किया जाता। लड़कों को कुछ हद तक स्वतंत्रता मिल भी जाती है, लेकिन लड़कियों के लिए साथी का चयन अक्सर पूरे परिवार की 'इज्जत' का प्रश्न बना दिया जाता है। इससे युवा महिलाओं को किस मानसिक दबाव और संघर्ष से गुजरना पड़ता होगा, इसका अनुमान लगाना कठिन नहीं है।

बदलते समय की नई वास्तविकताएं

समय के साथ सामाजिक संरचनाएं बदल रही हैं। आज बड़ी संख्या में युवा अपने करियर को प्राथमिकता देते हुए तीस या पैंतीस वर्ष की उम्र में विवाह कर रहे हैं, या विवाह को पूरी तरह अस्वीकार कर रहे हैं। लिव-इन संबंधों का चलन भी बढ़ रहा है। कई युवाओं की स्पष्ट सोच है कि उन्हें साथ चाहिए, भावनात्मक और शारीरिक निकटता चाहिए, लेकिन विवाह और बच्चों की जिम्मेदारियां नहीं चाहिएं। यह आज के समाज की वास्तविकता है, चाहे किसी को पसंद आए या नहीं।

नई पीढ़ी की बदलती सोच

इंटरनेट और वैश्विक संपर्कों ने नई पीढ़ी को दुनिया के विभिन्न सामाजिक अनुभवों से परिचित कराया है। युवाओं के विचार पहले की तुलना में अधिक खुले और स्वतंत्र हुए हैं। वे जानते हैं कि इस बदलाव से नए प्रश्न भी पैदा होंगे, लेकिन वे उन प्रश्नों से भागना नहीं चाहते। विशेष रूप से युवा महिलाएं अब अपनी स्वतंत्रता और निर्णय क्षमता को लेकर पहले से अधिक मुखर हैं।

भविष्य की आहट

विवाह और परिवार जैसी संस्थाएं परिवर्तन के दौर से गुजर रही हैं। संभव है कि आने वाले समय में इनके नए स्वरूप सामने आएं। स्त्री-पुरुष संबंधों के साथ-साथ समलैंगिक और ट्रांसजेंडर समुदायों की स्वीकृति भी समाज की नई दिशा का संकेत दे रही है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला इसी बदलती सामाजिक वास्तविकता को पहचानने वाला निर्णय है। इसका सबसे बड़ा संदेश यही है कि लोकतांत्रिक समाज में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता और निजी जीवन का सम्मान किसी भी नैतिक बहस से ऊपर होना चाहिए।

प्रेरक प्रसंग

रॉकिंग-चेयर

शिखा का वर्षों पुराना सपना तब पूरा हुआ जब वह अपने परिवार के साथ लुधियाना से दिल्ली रहने आ गई। नए शहर, नए घर और नए माहौल को लेकर वह बेहद उत्साहित थी। घर में सामान उतरवाने की भागदौड़ के बीच एक अनजान पड़ोसी निर्मल उनके दरवाजे पर आया। वह अपने साथ चाय-नाश्ते का सामान और स्थानीय दुकानों की सूची लेकर आया था। उसकी आत्मीयता ने शिखा और उसके पति समीर का दिल जीत लिया। धीरे-धीरे निर्मल परिवार का हिस्सा बन गया। वह अपनी वृद्ध मां और बेटी आस्था के साथ रहता था। लेकिन मोहल्ले के लोग उसके बारे में तरह-तरह की बातें करते थे। कोई उसे मानसिक रूप से कमजोर कहता, कोई उसका मजाक उड़ाता और कोई उसके शारीरिक बनावट को लेकर ताने कसता। शिखा को यह सब सुनकर आश्चर्य होता, क्योंकि उसने निर्मल में केवल एक संवेदनशील और मददगार इंसान देखा था। समय के साथ शिखा को पता चला कि निर्मल का जीवन संघर्षों से भरा हुआ है। जन्म से शारीरिक कमी के कारण वह समाज की उपेक्षा और तिरस्कार झेलता आया था। लोग उसे अपमानजनक नामों से पुकारते, उसका मजाक उड़ाते और उसे कभी स्वीकार नहीं कर पाए। उसकी दुनिया केवल उसकी मां और बेटी आस्था तक सीमित थी। वह अपनी बेटी से बेहद प्यार करता था और उसके भविष्य के लिए सपने देखता था।

जब भी कोई बात उसे भीतर तक चोट पहुंचाती, वह अपनी प्रिय रॉकिंग-चेयर पर बैठकर झूलने लगता। वहीं बैठकर वह अपने मन का दर्द शिखा से साझा करता। वह अक्सर पूछता, लोग मुझसे इतनी नफरत क्यों करते हैं? उसके शब्दों में वर्षों की पीड़ा और अस्वीकार किए जाने का दर्द झलकता था।

एक दिन निर्मल टूट गया। उसे पता चला कि आस्था उसके जीवन की सच्चाई जान चुकी है और उसे छोड़कर चली गई है। यह आघात उसके लिए असहनीय था। वह अपने कमरे में रॉकिंग-चेयर पर बैठा निराशा में डूब गया। उसकी मां अपराधबोध में रोती रही और शिखा उसे संभालने की कोशिश करती रही।

उस दिन शिखा ने महसूस किया कि समाज किसी इंसान की अच्छाई नहीं, बल्कि उसकी कमियों को देखने का आदी हो चुका है। रॉकिंग-चेयर पर झूलता निर्मल केवल एक व्यक्ति नहीं था, बल्कि उन सभी लोगों का प्रतीक था जो समाज की संकीर्ण सोच और भेदभाव का शिकार बनते हैं। यह कहानी हमें सिखाती है कि किसी व्यक्ति का मूल्य उसके बाहरी रूप से नहीं, बल्कि उसके दिल और इंसानियत से आंकना चाहिए।

राशिफल

मेष– किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा।

वृषभ–पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। चोट व रोग से कष्ट संभव है। प्रमाद न करें। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें।

मिथुन– सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

कर्क– तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। थकान रह सकती है। जोखिम के कार्य टालें। शत्रुओं का पराभव होगा।

सिंह– व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

कन्या– पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला–व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा।

वृश्चिक– घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। जल्दबाजी न करें।

धनु– नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। धन लक्ष्मी की प्राप्ति होगी। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें।

मकर– भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा।

कुंभ–व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मीन–समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। जल्दबाजी न करें।

NEET मामले पर छात्रों के बीच उतरेंगे राहुल गांधी

17 जून को कोटा से शुरू करेंगे देशव्यापी 'छात्र सम्मेलन'

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी मेडिकल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) और कई अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी। इसके बाद प्रयागराज, पटना और दिल्ली में भी वह इस तरह के सम्मेलनों के माध्यम से छात्रों से संवाद करेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इन छात्र सम्मेलनों के माध्यम से नीट के विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करने, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जाएगी। कांग्रेस ने आठ जून को अपने महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक में फैसला किया था कि नीट मामले, चुनावों से पहले 'सीट चोरी' किए जाने, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा।

■ वेणुगोपाल ने शनिवार को एक बयान का कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के सशक्त नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और मोदी सरकार द्वारा भारत के युवाओं के साथ किए जा रहे सुनियोजित विश्वासघात के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के बड़े सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी और फिर 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में भी सम्मेलन आयोजित होंगे। उनके मुताबिक इन सम्मेलनों में छात्र, परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा, युवा संगठन, शिक्षक और परीक्षा 'घोटालों' से सीधे प्रभावित, सभी लोग शामिल होंगे।

■ कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को सामने लाया जाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत, पार्टी देश भर में एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जिला कांग्रेस कमेटी और स्थानीय इकाइयों के माध्यम से बड़े पैमाने पर छात्रों तक पहुंचने और उन्हें एकजुट करने के राहुल गांधी के आह्वान को आगे बढ़ाएगी। वेणुगोपाल ने कहा कि लोगों के बीच मौजूदगी और डिजिटल माध्यम, कैंपस में संपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों पर बातचीत, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों के साथ सीधे संवाद जैसे कार्यक्रम बड़े पैमाने पर किए जाएंगे।

■ उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का मानना है कि युवा भारतीयों की उम्मीदों की बलि भ्रष्टाचार, अक्षमता या राजनीतिक उदासीनता की भेंट नहीं चढ़नी चाहिए। इसी सोच के साथ, यह आंदोलन छात्रों को राजनीतिक जुड़ाव से ऊपर उठकर एकजुट करेगा और प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने तथा बार-बार परीक्षा में विफलता और पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही की मांग करने का मंच प्रदान करेगा। वेणुगोपाल ने कहा कि यह आंदोलन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पहले उठाई गई मांगों को सड़कों पर ले जाएगा। इन मांगों में नीट का विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करना, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और सरकार के उच्चतम स्तर पर जवाबदेही (जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी शामिल है) की मांगें शामिल हैं।

मुरैना: ट्रेन में आग की अफवाह के बाद कूदे यात्री,

बगल से गुजर रही पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आए; 4 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ भोपाल

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में रविवार को एक दर्दनाक रेल हादसा हो गया। खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद कुछ यात्रियों ने घबराकर ट्रेन से छलांग लगा दी। इसी दौरान समानांतर ट्रैक पर तेज गति से आ रही पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आने से तीन महिलाओं और एक चार वर्षीय बच्चे की कटकर मौत हो गई।

कब हुआ हादसा?

यह हादसा सरायछौला थाना क्षेत्र के हेतमपुर-धौलपुर रेलखंड पर रविवार शाम करीब 4:15 बजे हुआ। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 19665 खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में किसी यात्री द्वारा अलार्म चेन पुलिंग (ACP) किए जाने के कारण ट्रेन बीच सेक्शन में रुक गई थी।

आग लगने की अफवाह फैल गई

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेन के एक कोच में किसी यात्री के मोबाइल फोन में गर्मी या धुआं निकलने की बात फैली, जिसके बाद आग लगने की अफवाह फैल गई। अफरा-तफरी के माहौल में कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर पास की रेलवे लाइन पर पहुंच गए। इसी दौरान आगरा की ओर से आ रही गाड़ी संख्या 20424 फिरोजपुर-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी और उसकी चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई।

चार लोगों की मौत हो गई

मृतकों की पहचान आफरीन (35) पत्नी नदीम खान निवासी आगरा, उनके चार वर्षीय बेटे असद खान, शकुंतला (60) पत्नी भूरी सिंह परमार निवासी रुनकता (आगरा) और विरमा देवी (60) पत्नी गिरधारी गिरी निवासी बीकानेर (राजस्थान) के रूप में हुई है।

आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। रेलवे ने बताया कि प्रभावित यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

राहुल गांधी पर हमले को लेकर भड़की कांग्रेस

हार की बौखलाहट में माकपा : वेणुगोपाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने रविवार को राहुल गांधी की आलोचना को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि वामपंथी पार्टी अपनी राजनीतिक गिरावट और चुनावी पराजयों के लिए कांग्रेस नेता को जिम्मेदार ठहरा रही है। वेणुगोपाल ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी पर माकपा के हमले उसकी 'राजनीतिक असुरक्षा' और हालिया चुनावी हार के कारणों का निष्पक्ष मूल्यांकन करने में उसकी विफलता को दर्शाते हैं।

केरल में निराशाजनक चुनावी प्रदर्शन

उन्होंने आरोप लगाया कि केरल में अपने निराशाजनक चुनावी प्रदर्शन के कारणों का विश्लेषण करने के बजाय माकपा राहुल गांधी को निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। यदि वह इसी रास्ते पर चलती रही तो पार्टी को और भी बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि माकपा की समस्याओं के लिए राहुल गांधी को दोष देना ऐसा है जैसे चेहरा खराब दिखने पर आईना तोड़ देना।

राहुल गांधी की आलोचना विडंबना है

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि केरल के बाहर संसद में माकपा का अस्तित्व काफी हद तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों के समर्थन पर टिका हुआ है, इसलिए राहुल गांधी की उसकी आलोचना विडंबना है। उन्होंने माकपा पर यह आरोप भी लगाया कि वह 'आसानी से यह भूल रही है' कि उसके कुछ नेता केरल के बाहर कांग्रेस-नीत गठबंधन के समर्थन से चुनाव जीत चुके हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन' का गठन कांग्रेस की पहल पर लोकतंत्र और संविधान को बचाने तथा भाजपा को राजनीतिक रूप से पराजित करने के उद्देश्य से किया गया था, जिसे उन्होंने 'भाजपा की निरंकुश प्रवृत्तियों' के खिलाफ एक प्रयास बताया।

राष्ट्रीय राजनीतिक एजेंडे पर काम करती है कांग्रेस

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जहां व्यापक राष्ट्रीय राजनीतिक एजेंडे पर काम करती है, वहीं माकपा संकीर्ण क्षेत्रीय हितों से संचालित होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी सीमित राजनीतिक दृष्टिकोण ने पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कम्युनिस्ट आंदोलन के पतन में योगदान दिया है। वेणुगोपाल ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि भाजपा के खिलाफ विपक्ष की लड़ाई में वह अग्रिम पंक्ति में रहे हैं और स्वयं भी राजनीतिक प्रताड़ना के शिकार रहे हैं। वेणुगोपाल की यह प्रतिक्रिया तब आयी है जब एक दिन पहले केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन समेत माकपा के वरिष्ठ नेताओं ने राहुल गांधी की आलोचना की थी।

दिल्ली पुलिस की नई पहल

अब हर शनिवार को लगेगा 'थाना दिवस-जन सुनवाई', ऑन स्पॉट होगा समाधान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली वासियों की समस्याओं को तुरंत सुलझाने और पुलिस व्यवस्था को सीधे जनता से जोड़ने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के निर्देश पर पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने एक व्यापक सर्कुलर जारी किया है। इसके तहत अब दिल्ली के सभी 195 थानों (ला एंड आर्डर वाले) में हर शनिवार को 'थाना दिवस-जन सुनवाई' का आयोजन किया जाएगा। यह व्यवस्था आने वाले हफ्ते से ही सभी थानों में नियमित रूप से लागू कर दी जाएगी। उपराज्यपाल और पुलिस आयुक्त की बैठक के बाद जारी इन गाइडलाइंस का मकसद पुलिस की जवाबदेही तय करना, जनता की शिकायतों का तय समय में निपटारा करना और जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना है। जन सुनवाई में आने वाले हर नागरिक की बात को ध्यान से सुना जाएगा। अगर किसी की शिकायत पहले से आइसीएमएस यानी इंटीग्रेटेड कंप्लेंट मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर दर्ज नहीं भी है, तो भी उनकी शिकायत सुनी जाएगी और बाद में उसे पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

समय सीमा के भीतर निपटारा

जिन शिकायतों में जांच या मौके पर जाकर वेरिफिकेशन की जरूरत होगी, उन्हें तुरंत संबंधित स्टाफ को सौंपा जाएगा। एसीपी और डीसीपी स्तर के अधिकारी लंबित मामलों की समय-समय पर समीक्षा करेंगे ताकि कोई भी फाइल बिना वजह अटकी न रहे।

थानों में हर हफ्ते बनेगा रिकॉर्ड

हर थाने में जन सुनवाई के दौरान आने वाली शिकायतों का पूरा हिसाब रखने के लिए एक अलग 'इन्फर्मेशन शीट' (रजिस्टर) बनाई जाएगी। हर जिले को हर हफ्ते अपनी रिपोर्ट (कितनी शिकायतें आईं, कितनी सुलझीं और कितनी पेंडिंग हैं) विजिलेंस डिवीजन और संबंधित रेंज के संयुक्त आयुक्त को भेजनी होगी।

जनता के बीच किया जाएगा भारी प्रचार

इस मुहिम का फायदा ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए जिले के डीसीपी को निर्देश दिए गए हैं कि वे इंटरनेट मीडिया, थानों के नोटिस बोर्ड, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स, मार्केट एसोसिएशन्स और बीट स्टाफ के जरिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। आयुक्त ने साफ कर दिया है कि इन निर्देशों का पालन न करने या जनता की शिकायतों को हल्के में लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गाइडलाइंस की मुख्य बातें

- हर शनिवार को सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक थानों में जन सुनवाई का आयोजन किया जाएगा।
- विशेष आयुक्त से लेकर एसीपी स्तर के बड़े अधिकारी बारी-बारी (रोटेशन के आधार पर) खुद इन सुनवाइयों में शामिल होंगे।
- जिले के डीसीपी, एसीपी और एसएचओ व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- थानों में लोगों के बैठने के उचित इंतजाम और हेल्प डेस्क बनाई जाएगी ताकि एक दोस्ताना माहौल मिल सके।
- हर शिकायत पर होगी सुनवाई, चाहे वह आनलाइन दर्ज हो या न हो।

यमुना सफाई अभियान में उतरीं सीएम रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना सफाई अभियान में शामिल होकर लोगों से नदी को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि कई सामाजिक संस्थाओं के स्वयंसेवकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर यमुना नदी की सफाई में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि सुबह 6 बजे से लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है और अब तक सैकड़ों टन कूड़ा नदी से बाहर निकाला जा चुका है। उन्होंने लोगों से धार्मिक सामग्री और कूड़ा यमुना में न डालने की अपील करते हुए कहा कि घर की पूजन सामग्री यमुना में विसर्जित करके हम किसी भगवान को खुश नहीं कर सकते। अगर यमुना मां गंदी होंगी तो कोई भी भगवान प्रसन्न नहीं होंगे। रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि हर नागरिक की है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी मुस्तैदी से अपना काम कर रही है और लोगों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह स्वच्छता अभियान लगातार जारी रहेगा और समय-समय पर लोगों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही यमुना को साफ और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सकता है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद

अखिलेश के आरोपों पर सीएम योगी का बड़ा एक्शन, गोबर के ढेर से लाखों मिलने पर एसआईटी गठित

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि से संबंधित आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यीय विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई है। यह दल तीर्थ क्षेत्र में दानपात्रों के संबंध लगाए जा रहे आरोपों की जांच कर सरकार को अपनी रिपोर्ट देगा।

IAS विजय विश्वास पंत के नेतृत्व में 3 सदस्यीय SIT गठित

एसआईटी में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी तथा लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी व पुलिस महानिरीक्षक किरन एस. और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं। बयान में कहा गया कि अयोध्या स्थित तीर्थ क्षेत्र में दानपात्रों को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को गंभीरता से लेते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विशेष जांच दल गठित किए जाने का अनुरोध किया था। ट्रस्ट के अनुसार अफवाहों पर रोक लगाने और मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए इसकी गहन जांच आवश्यक है। यह तीर्थ क्षेत्र की छवि और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को चोट पहुंचाने की गहरी साजिश है, जिसका पदार्फाश होना बेहद जरूरी है।

'सरकार का हर आदेश मंजूर'- सवालों पर रक्ळ सदस्य का बयान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्रस्ट के इस अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से तीन वरिष्ठ अधिकारियों के विशेष जांच दल का गठन किया है। यह टीम पूरे प्रकरण की गहन छानबीन कर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। तीन सदस्यों वाली एसआईटी के एक सदस्य से संपर्क करने पर उन्होंने इस विषय पर सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। हालांकि, समिति के इस सदस्य ने एक न्यूज एजेंसी से सिर्फ इतना कहा, कि सरकार जो भी काम हमें सौंपेगी, हम उसे पूरा करेंगे। इसके अलावा मुझे कुछ नहीं कहना है।

चंपत राय का पलटवार- नियमित होता है आंतरिक ऑडिट

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने उसी दिन एक बयान में कहा था कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता रहता है। इस प्रक्रिया में ट्रस्ट और भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। ऑडिट की प्रक्रिया कई दिन तक चलती है। इन दिनों भी यही काम हो रहा है। अभी तक कोई खास बात सामने नहीं आई है। ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास ने भी ट्रस्ट के कामकाज पर भरोसा जताते हुए कहा था कि सरकार की ओर से कराई जाने वाली किसी भी जांच को स्वीकार किया जाएगा। इसके बाद विवाद और बढ़ गया। यादव ने अपने आरोपों को दोहराया, जबकि भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने दावा किया कि उन्हें दान राशि के कथित दुरुपयोग की जानकारी है। हालांकि उन्होंने इसके बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देने से इनकार कर दिया।

बृजभूषण का दावा, रजनीश सिंह की मोदी को चिट्ठी

वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति, संपत्तियों, दान राशि, खर्च, बैंक खातों और भूमि लेन-देन का खुलासा करने का अनुरोध किया था। सिंह ने कहा कि मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले श्रद्धालुओं को यह जानने का अधिकार है कि नकद दान, आभूषणों और अन्य कीमती वस्तुओं का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ट्रस्ट पहले ही जांच शुरू कर चुका है और अपने नियमों एवं विनियमों के अनुसार कार्रवाई करेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह मामला मुख्य रूप से ट्रस्ट के अधिकार क्षेत्र में आता है। वहीं कांग्रेस ने भी स्वतंत्र जांच की मांग की। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच कराने की मांग की।

'चढ़ावे के करोड़ों रुपए गायब'- अखिलेश यादव का तीखा हमला

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस महीने की शुरूआत में दावा किया था कि राम मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपए गायब हो गए। यादव ने इस मामले में अदालत से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया था। उन्होंने 7 जून को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों रुपये की रकम गायब होने की सूचना मिली है। यादव ने कहा कि ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता।

कारसेवकों पर गोली चलाने वाले आत्म-मंथन करें : मंत्री मनोज पांडेय

सीतापुर में, उप्र सरकार के खाद्य और रसद मंत्री मनोज पांडेय ने राम मंदिर चंदे की घटना को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। सीतापुर के दौरे में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग राम मंदिर और राम भक्तों से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाते हैं, उन्हें पहले अपना इतिहास देखना चाहिए। मंत्री ने कहा कि राम मंदिर चंदे का मामला उन लोगों द्वारा उठाया जा रहा है, जिन पर अतीत में राम भक्तों और कार सेवकों पर गोली चलाने का आरोप लगा है। उन्होंने कहा कि जो लोग रामचरितमानस की प्रतियां जलाते हैं, भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते हैं और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं, उन्हें राम मंदिर के बारे में बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को आत्म-मंथन करना चाहिए। इस बीच, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को खुद को इस विवाद से अलग करते हुए कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल निर्माण कार्यों की निगरानी तक सीमित है। उन्होंने दान राशि और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

उत्तर प्रदेश लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है और उत्तर प्रदेश लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश से गुंडे और माफिया पलायन कर चुके हैं तथा आजमगढ़ की पहचान भी पूरी तरह बदल चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 955 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले आजमगढ़ की पहचान आतंकवाद, माफियाओं और अपराधियों के कारण होती थी, लेकिन आज यह जनपद विश्वविद्यालय, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, फोरलेन कनेक्टिविटी, हरिहरपुर संगीत महाविद्यालय और ब्लैक पॉटरी जैसी उपलब्धियों के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। हर गरीब को आवास, शौचालय, बिजली और सुरक्षा उपलब्ध कराने का अभियान चलाया गया है। महाराजा सुहेलदेव के शौर्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को अपनी गौरवशाली विरासत और राष्ट्रनायकों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

■ उन्होंने कहा कि नया भारत गुलामी के प्रतीकों को स्वीकार नहीं करेगा और देश की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहराइच में विदेशी आक्रांता सालार मसूद के बजाय महाराजा सुहेलदेव के नाम पर भव्य स्मारक का निर्माण कराया गया है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन दलों ने वर्षों तक प्रदेश पर शासन किया, वे विकास, रोजगार और सुरक्षा के क्षेत्र में अपेक्षित कार्य नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और भारत आज विश्व मंच पर नई पहचान बना रहा है।

ये हल्का-फुल्का मामला नहीं, दोषियों की छुट्टी करो: विनय कटियार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि विवाद को लेकर देश में राजनीति गरमा गई है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी के फायरब्रांड नेता और 'बजरंग दल' के संस्थापक विनय कटियार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि ये जितने इस समय हैं ये सब चोर हैं। इनकी छुट्टी करो। इन लोगों का रामजन्मभूमि आंदोलन से क्या लेना देना इन सबने कब्जा कर लिया है हम लोगों ने बलिदान दिया। स्व. कल्याण सिंह साध्वी उमा भारती और मैं स्वयं आंदोलन में जेल गया। हम इन लोगों की छुट्टी कर देंगे।

■ आप को बता दें कि राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि से संबंधित आरोपों की जांच के लिए शनिवार को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई है। यह दल तीर्थ क्षेत्र में दानपात्रों के संबंध लगाए जा रहे आरोपों की जांच कर सरकार को अपनी रिपोर्ट देगा। एसआईटी में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी तथा लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी व पुलिस महानिरीक्षक किरन एस. और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं।

■ बयान में कहा गया कि अयोध्या स्थित तीर्थ क्षेत्र में दानपात्रों को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को गंभीरता से लेते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए इसकी गहन जांच आवश्यक है। यह तीर्थ क्षेत्र की छवि और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को चोट पहुंचाने की गहरी साजिश है, जिसका पर्दाफाश होना बेहद जरूरी है। हालांकि (एसआईटी) समिति के इस सदस्य ने सिर्फ इतना कहा कि सरकार जो भी काम हमें सौंपेगी, हम उसे पूरा करेंगे। इसके अलावा मुझे कुछ नहीं कहना है। इस बीच, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को खुद को इस विवाद से अलग करते हुए कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल निर्माण कार्यों की निगरानी तक सीमित है। उन्होंने दान राशि और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पहली उड़ान जमीन देने वालों के नाम

जेवर एयरपोर्ट से कल लखनऊ जाएंगे 172 किसान

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा के जेवर क्षेत्र में बने जेवर एयरपोर्ट से 15 जून को पहली व्यावसायिक उड़ान का संचालन किया जाएगा। यह उड़ान परियोजना के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है, क्योंकि इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के नए युग की शुरुआत होगी। पहली उड़ान में कुल 172 किसान सफर करेंगे, जो इस परियोजना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहे हैं। साथ ही इन्हीं किसानों ने अपनी जमीन भी दी थी।

लखनऊ पहुंचकर सीएम योगी से करेंगे मुलाकात

जानकारी के मुताबिक कल की पहली विशेष उड़ान लखनऊ के लिए संचालित की जाएगी। इस दौरान किसानों के साथ जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह भी मौजूद रहेंगे। सभी यात्री लखनऊ पहुंचकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करेंगे और जेवर एयरपोर्ट परियोजना के लिए अपनी भूमि देने के बदले उन्हें औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित करेंगे। जेवर एयरपोर्ट परियोजना के लिए स्थानीय किसानों ने अपनी हजारों एकड़ भूमि का योगदान दिया था, जिसके कारण यह विशाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना आकार ले सकी। सरकार और प्रशासन का मानना है कि बिना किसानों के सहयोग के यह परियोजना संभव नहीं थी। इसी योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से यह विशेष उड़ान आयोजित की जा रही है।

आयोजन को सफल बनाने में जुटा प्रशासन

इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। किसानों का कहना है कि उनकी भूमि देश और राज्य के विकास में उपयोग हो रही है, यह उनके लिए गर्व की बात है। वहीं प्रशासन ने भी इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विशेष तैयारियां की हैं। जेवर एयरपोर्ट से पहली उड़ान का संचालन न केवल विमानन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह किसानों और विकास परियोजनाओं के बीच साझेदारी का प्रतीक भी है। दावा किया जा रहा है कि जब यह एयरपोर्ट पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो यह उत्तर भारत के सबसे बड़े विमानन केंद्रों में से एक होगा और इससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। 15 जून की यह उड़ान इसी दिशा में एक ऐतिहासिक शुरुआत के रूप में देखी जा रही है।

बस से एयरपोर्ट पहुंचेंगे सभी किसान

इस विशेष यात्रा के लिए आर एंड आर कॉलोनी से बस द्वारा सुबह पौने छह बजे किसानों को एयरपोर्ट सुरक्षित पहुंचाया जाएगा। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह और कुछ अन्य बड़े अधिकारी भी इस ऐतिहासिक उड़ान में किसानों के साथ मौजूद रहेंगे। सभी किसानों के लिए यह पल बेहद भावुक और जीवन भर याद रहने वाला एक शानदार अनुभव होगा।

किसानों ने जाहिर की अपनी खुशी

किसान विजेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने 17 बीघा जमीन दी है और अपने ही खेतों से हवाई यात्रा करना उनके लिए बहुत ही गर्व की बात है। रामपाल सिंह ने कहा कि खेती के काम से समय नहीं मिला, अब हवाई जहाज की यात्रा का अवसर मिलने से वे बेहद खुश हैं। गीता देवी और किरनपाल सिंह ने भी इस यात्रा के लिए अपार खुशी जाहिर की है।

फ्लाइट और पास की जानकारी

किसानों को जो यात्रा पास दिए गए हैं, उस पर लिखा क्रमांक ही फ्लाइट में उनकी निर्धारित सीट संख्या होगी। ये किसान मुख्यमंत्री से अपनी विशेष मुलाकात के बाद उसी दिन फ्लाइट से वापस जेवर लौट आएंगे। समय मिलने पर किसान अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर के दर्शन करने भी जा सकते हैं। इस भव्य इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के लिए जेवर के छह गांवों के किसानों की 1334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया था। इस अधिग्रहण के दौरान राजस्व गांव और माजरा सहित कुल छह गांवों का पूरी तरह से विस्थापन किया गया था।

आगरा से अखिलेश का विजन इंडिया

बीजेपी के गढ़ में सेंध लगाने की कोशिश

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है, जिसको लेकर तमाम राजनीतिक दल अभी से तैयारियों में जुट गए हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अब विजन इंडिया अभियान के जरिए बीजेपी के पारंपरिक गढ़ों में सेंध लगाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। किसानों की समस्याओं के बाद अब वो छोटे कारोबारियों और लघु उद्यमियों की दुखती रग पर हाथ रखने जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी आज (रविवार, 14 जून) आगरा में विजन इंडिया समिट का आयोजन करने जा रही है, जिसका विषय है |छोटे कारोबारी-कारोबार क्यों हो रहे बर्बाद। यह कार्यक्रम राजनीतिक रूप से इसलिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि आगरा सहित समूचे ब्रज क्षेत्र को बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है।

बीजेपी का परंपरागत किला

पिछले दो लोकसभा चुनावों में आगरा की सभी 9 विधानसभा सीटों पर बीजेपी का कब्जा रहा है। आगरा और फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीटें भी बीजेपी के पास हैं। सपा यहां एक भी सीट नहीं जीत पाई है। मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, कासगंज, हाथरस और अलीगढ़ जैसे जिलों की अधिकांश विधानसभा सीटों पर भी बीजेपी का दबदबा । पार्टी सूत्रों के अनुसार, जीएसटी व्यवस्था, ऑनलाइन कारोबार की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और आगरा जैसे शहरों की अनदेखी जैसे मुद्दों को लेकर छोटे व्यापारियों और लघु उद्यमियों में काफी असंतोष है, सपा इन्हीं मुद्दों को उठाकर व्यापारी वर्ग में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है। ताकि आगामी चुनाव में उसे इनका साथ मिल सके।

विजन इंडिया अभियान क्या है?

अखिलेश यादव ने पिछले साल विजन इंडिया अभियान की शुरुआत की थी। इसका मकसद युवा पीढ़ी को जोड़ना और पार्टी की विचारधारा को दूसरे राज्यों तक पहुंचाना है। उन्होंने पीडीए को नई परिभाषा देते हुए इसे प्लान, डेवलपमेंट एंड एसेंट कर दिया है। अभियान के तहत पहले बेंगलुरु, हैदराबाद, भुवनेश्वर और जयपुर में अलग-अलग विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश में अप्रैल में गाजियाबाद में किसानों क्यों परेशान विषय पर पहला समिट हुआ था, आगरा कार्यक्रम इस सीरीज का दूसरा आयोजन है। इससे पहले अखिलेश यादव ने पश्चिम उत्तर प्रदेश में अपनी चुनावी मुहिम तेज करते हुए नोएडा में रैली की और गाजियाबाद में किसान समिट का आयोजन किया था।

व्यापारियों और युवाओं पर नजर

आगरा कार्यक्रम को सपा की नई रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें वह बाजेपी के कोर वोट बैंक यानी व्यापारियों और युवाओं को लक्षित कर रही है, अगर सपा इस वर्ग में कुछ हद तक भी असंतोष को भुनाने में कामयाब होती है तो 2027 के विधानसभा चुनाव में ब्रज क्षेत्र में समीकरण बदल सकते हैं। अखिलेश यादव अब आगरा में छोटे कारोबारियों से सीधे संवाद करेंगे और उनके मुद्दों को पार्टी के एजेंडे में शामिल करने का वादा करेंगे।

शॉर्ट स्टोरी

नौकरी से निकाले जाने की खुन्नस में शोरूम मैनेजर हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ दरभंगा

बिहार के दरभंगा जिले में दिनदहाड़े हुए चर्चित यामाहा शोरूम हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। शोरूम मैनेजर फैज अहमद की हत्या के आरोपी सोनू पासवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन और स्कूटी भी बरामद कर ली है। दरभंगा सदर के एसडीपीओ राजीव कुमार ने खुलासा करते बताया कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश और नौकरी से निकाले जाने की खुन्नस मुख्य वजह बनकर सामने आई है। आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, सोनू पासवान पहले उसी यामाहा शोरूम में काम करता था, जहां फैज अहमद मैनेजर थे। कुछ महीने पहले फैज अहमद की शिकायत के बाद शोरूम मालिक ने सोनू पासवान को नौकरी से हटा दिया था। इसके बाद से आरोपी मन ही मन बदला लेने की योजना बना रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि नौकरी से निकाले जाने के बाद भी सोनू पासवान का शोरूम में आना-जाना बना हुआ था। वह कर्मचारियों और वहां के माहौल से पूरी तरह परिचित था। इसी का फायदा उठाकर उसने वारदात को अंजाम दिया। एसडीपीओ राजीव कुमार ने बताया कि घटना वाले दिन भी सोनू पासवान शोरूम पहुंचा था। कुछ देर तक वह सामान्य तरीके से वहां बैठा रहा। इसके बाद उसने अचानक एक बाइक का शॉकर उठाया और फैज अहमद पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना अचानक था कि फैज अहमद को संभलने का मौका तक नहीं मिला। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी मृतक का मोबाइल फोन लेकर बाहर निकला और फैज की स्कूटी से फरार हो गया। पूरी वारदात शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने सबसे पहले सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर उसकी जांच शुरू की।

पत्थरबाजी, आंसू गैस के गोले,पाटलिपुत्र बवाल में क्या-क्या हुआ

हिंदमाता नेटवर्क @ पाटलिपुत्र

बिहार पुलिस के मद्य निषेध विभाग की भर्ती परीक्षा को लेकर रविवार को पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर भारी हंगामा हो गया। परीक्षा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी देर रात से ही स्टेशन पर पहुंचने लगे थे। अभ्यर्थियों का आरोप था कि परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए रेलवे की ओर से पर्याप्त ट्रेन व्यवस्था नहीं की गई, जिसके कारण स्टेशन पर भारी भीड़ जमा हो गई और अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई। फिलहाल अभी स्थिति नियंत्रण में हैं। आइए जानते हैं कि अब तक पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर हुए बवाल में क्या-क्या हुआ? जानकारी के अनुसार पाटलिपुत्र से कटिहार के लिए चलाई गई एग्जाम स्पेशल ट्रेन में सवार होने को लेकर अभ्यर्थियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन में चढ़ने की होड़ के कारण हालात बिगड़ने लगे और नाराज छात्रों ने ट्रेन के आगे बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। अभ्यर्थियों ने रेलवे प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और स्टेशन परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कुछ उपद्रवी तत्वों ने इस दौरान ट्रेन और रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। स्टेशन परिसर में तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की घटनाएं भी सामने आईं। हंगामे की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को भी तत्काल स्टेशन पहुंचना पड़ा। मौके पर रेलवे आईजी जितेंद्र राणा, पटना के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी हालात का जायजा लेने पहुंचे। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई पत्थरबाजी में रेलवे आईजी जितेंद्र राणा को हल्की चोट लगने की सूचना है। वहीं रूपसपुर थाना प्रभारी भी हंगामे के दौरान घायल हो गए।

रौशन आनंद के भाई प्रिंस की संदिग्ध मौत,होटल में मिला शव

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार की राजधानी पटना के चर्चित शिक्षक खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद के बीच चल रहा विवाद अब एक बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच गया है। इस बड़े विवाद के बीच नेपाल से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे शिक्षा जगत और सोशल मीडिया पर सनसनी फैला दी है। खान सर कोचिंग प्रकरण में नामजद और कई दिनों से फरार चल रहे रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही रौशन आनंद के परिजन नेपाल के लिए रवाना हो गए हैं। दरअसल, पटना के हाई-प्रोफाइल खान सर बनाम रौशन आनंद विवाद के कारण ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद फिलहाल जेल में हैं, जबकि खान सर को हाल ही में अग्रिम जमानत मिली है। इसी विवाद के दौरान खान सर के कोचिंग सेंटर पर एक हमला हुआ था, जिसमें रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव को मुख्य आरोपियों में शामिल किया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही गिरफ्तारी से बचने के लिए प्रिंस अपने 6-7 दोस्तों के साथ नेपाल भाग गया था और वहीं एक होटल में छिपा हुआ था। देर रात उसी होटल के कमरे में प्रिंस की रहस्यमयी हालात में मौत हो गई। प्रिंस यादव की मौत किन कारणों से हुई है, इसका खुलासा अभी तक नहीं हो पाया है। नेपाल पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वारदात के समय प्रिंस के साथ होटल में जो भी युवक मौजूद थे, उन सभी को नेपाल पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने अभी तक किसी भी आरोप या हत्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो सकेगी। प्रिंस यादव की इस अचानक और संदिग्ध मौत को लेकर इंटरनेट और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

नेशनल आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

मौलाना आजाद इंटरमीडिएट कॉलेज, अंजान शहीद के पूर्व छात्र हस्सान शफीक ने भोपाल स्थित एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में आयोजित 48वीं नेशनल आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। इससे क्षेत्र के खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। हस्सान ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए देशभर से आए प्रतिभागियों को कड़ी प्रतिस्पर्धा में पीछे छोड़ते हुए नेशनल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखा और पूरी एकाग्रता के साथ मुकाबलों में हिस्सा लेते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि को उनकी कठिन मेहनत, लगन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। हस्सान की सफलता से क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। मौलाना आजाद इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ। मोहम्मद शाहेदीन, मिर्जा मुराद बेग तथा विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने हस्सान को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

20 हजार रुपए सैलरी, खरीदी 1.5 करोड़ रुपए की जमीन!

ऐसे रडार पर आए राम मंदिर के कर्मचारी

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या के राम मंदिर में हर दिन लाखों श्रद्धालु आते हैं और भगवान राम के लिए पैसे, गहने और दूसरी चीजें चढ़ाते हैं। यह दान मंदिर के दानपात्रों यानी बक्सों में जमा होता है। इन बक्सों से पैसे निकालने और गिनने का काम कुछ कर्मचारियों को दिया गया था। अब आरोप यह है कि इन्हीं कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं के चढ़ावे में से करोड़ों रुपए चुरा लिए। यह मामला इसलिए और बड़ा हो गया क्योंकि जिन कर्मचारियों की तनख्वाह महीने के 18 से 20 हजार रुपए थी, उन्होंने करोड़ों की जमीन और प्लॉट खरीद लिए। बस यहीं से पूरा मामला खुला और अब एसआईटी जांच हो रही है। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राम मंदिर के चढ़ावे में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। अखिलेश यादव इस मामले को सबसे पहले सामने लाने वालों में से हैं। उनके मामला उठाने के बाद ही राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मची और फिर जांच की मांग और एक्शन शुरू हुआ। शनिवार को उन्होंने एक्स पर लिखा, इस षड्यंत्र का मूल दूर नहीं है इसलिए सच में कार्रवाई करने के लिए कहीं दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यदि दोषी के बारे में पता करने में पुलिस अक्षम हो तो हम सहायता कर दें।'

कर्मचारियों के आमदनी और उनकी संपत्ति में जमीन-आसमान का अंतर

राम मंदिर में चढ़ावे के पैसे गिनने का काम कुछ खास कर्मचारियों को दिया गया था। यह काम बेहद जिम्मेदारी का था क्योंकि रोज हजारों श्रद्धालु दान देते हैं। लेकिन जांच एजेंसियों को शक हुआ कि इन कर्मचारियों की आमदनी और उनकी संपत्ति में जमीन-आसमान का फर्क है। एक कर्मचारी ने करीब डेढ़ करोड़ रुपए की जमीन खरीदी और दूसरे ने करीब 40 लाख रुपए का प्लॉट लिया। जबकि दोनों की तनख्वाह सिर्फ 18 से 20 हजार रुपए महीने की थी। यह देखकर जांच शुरू हुई। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे को उठाया था, जिसके बाद मामला पूरे प्रदेश में सुर्खियों में छा गई। इस पूरे मामले में सबसे पहला नाम आया लवकुश मिश्रा का। यह युवक अयोध्या के पास रुदौली के शुजागंज इलाके के मीनापुर फगौली गांव का रहने वाला है।

नोएडा में भीषण हादसा, महामाया फ्लाईओवर के पास पलटी बस

14 यात्री घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ बहराइच

गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा में रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। थाना फेस-1 क्षेत्र में महामाया फ्लाईओवर के पास फर्रुखाबाद से दिल्ली जा रही एक तेज रफ्तार स्लीपर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। हादसे में 14 यात्री घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज गति से दिल्ली की ओर जा रही थी। महामाया फ्लाईओवर से आगे गंदे नाले से पहले अचानक बस अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकराई हुए पटल गई। हादसा इतना जोरदार था कि बस के चारों टायर निकल गए और बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

बस के अंदर फंस गए थे यात्री

हादसे की सूचना मिलते ही थाना फेस-1 पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंच गई। बस के पलटने के कारण कई यात्री उसके अंदर फंस गए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल था और घायल यात्री मदद के लिए पुकार रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए सभी लोगों को समय रहते नजदीकी अस्पतालों में भर्ती करा दिया गया है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के मौत की सूचना नहीं है, हालांकि कुछ यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं।

देवर-भाभी के अवैध संबंधों का राज खुलने का था डर, युवती का गला रेतकर नदी में फेंका शव

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

उत्तर प्रदेश में कानपुर देहात के मंगलपुर थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। यहां देवर और भाभी के अवैध संबंधों का राज खुलने के डर से एक युवती की निर्मम हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को दरी में लपेटकर नदी में फेंक दिया गया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मंगलपुर थाना क्षेत्र के चंदकुरा गांव में 5 जून को हुई ज्योति की हत्या का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि ज्योति ने अपने ही घर में भाभी और देवर को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसके बाद दोनों को डर था कि उनका राज परिवार और समाज के सामने उजागर हो जाएगा।

हत्याकर शव नदी में फेंका

पुलिस के मुताबिक इसी डर से देवर और भाभी ने ज्योति को रास्ते से हटाने की साजिश रची। आरोप है कि घर के भीतर ही चाकू से गला रेतकर उसकी निर्मम हत्या कर दी गई। वारदात के बाद शव को दरी में लपेटा गया और उसे सेंगुर नदी में फेंक दिया गया ताकि घटना को छिपाया जा सके। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि शव को ठिकाने लगाने और साक्ष्य मिटाने में मृतका के पिता सहित अन्य लोगों की भी भूमिका रही।

आरोपी घर छोड़कर फरार

8 जून को सेंगुर नदी में शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। मामला खुलने की आशंका के चलते आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मुंबई भागने की कोशिश कर रही भाभी को रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल मुख्य आरोपी देवर, ससुर, एक रिश्तेदार और शव ले जाने में इस्तेमाल कार चालक की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह हत्याकांड पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

नोएडा में 10 करोड़ रुपए की साइबर ठगी, अमेरिका-यूरोप के लोगों को बनाते थे शिकार

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

अगर आपने कभी ऑनलाइन एयरलाइन टिकट सर्च किया है, तो यह खबर आपको चौंका सकती है। नोएडा पुलिस ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो फर्जी एयरलाइन टिकट बुकिंग के नाम पर अमेरिका और यूरोप के लोगों को निशाना बना रहा था। इस गिरोह के सदस्य खुद को एयरलाइन कंपनी या ट्रैवल एजेंसी का कर्मचारी बताकर विदेशी नागरिकों से करोड़ों रुपए ठग रहे थे। नोएडा पुलिस ने इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि यह कोई साधारण साइबर फ्रॉड नहीं था, बल्कि बेहद संगठित तरीके से चलाया जा रहा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क था। शुरुआती जांच में करीब 10.50 लाख अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 10 करोड़ रुपए के लेनदेन के सबूत मिले हैं। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों से 13 लैपटॉप, 16 मोबाइल और साइबर क्राइम में इस्तेमाल होने वाले कई डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी पेड विज्ञापन चलाते थे। ये विज्ञापन खासतौर पर अमेरिका और यूरोप के लोगों को टारगेट करते थे। जब कोई विदेशी नागरिक विज्ञापन में दिए गए नंबर पर संपर्क करता था, तो कॉल सीधे आरोपियों के सिस्टम पर पहुंचती थी। इसके बाद शुरू होता था ठगी का खेल। आरोपी खुद को किसी नामी एयरलाइन या ट्रैवल कंपनी का प्रतिनिधि बताकर सस्ती दरों पर टिकट दिलाने का भरोसा देते थे। गिरोह के सदस्य अंग्रेजी में अमेरिकी और यूरोपीय लहजे (एक्सेंट) में बात करने में माहिर थे। इसी वजह से विदेशी नागरिक आसानी से उन पर भरोसा कर लेते थे। बातचीत के दौरान आरोपी पीड़ितों से भुगतान और अन्य जरूरी जानकारियां हासिल कर लेते थे। पुलिस जांच में पता चला है कि गिरोह अंतरराष्ट्रीय पेमेंट गेटवे के जरिए डॉलर में रकम वसूलता था। कई बार पीड़ितों को फर्जी टिकट भेज दिए जाते थे, जबकि कई मामलों में टिकट जारी ही नहीं किए जाते थे। आरोपियों की चालाकी यह थी कि वे अक्सर कई महीने बाद की यात्रा के लिए टिकट बुक करते थे। इससे पीड़ितों को धोखाधड़ी का पता काफी देर से चलता था। जब तक शिकायत सामने आती, आरोपी अपने मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, सिस्टम और अन्य डिजिटल संसाधन बदल चुके होते थे। इस तरह वे लंबे समय तक कानून की नजरों से बचते रहे। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार सभी आरोपी पढ़े-लिखे हैं और तकनीकी जानकारी रखते हैं। पुलिस का कहना है कि बरामद डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। आशंका है कि इस नेटवर्क से जुड़े और लोगों तथा कई अन्य पीड़ितों की जानकारी सामने आ सकती है। फिलहाल नोएडा पुलिस पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि यह गिरोह सिर्फ भारत से ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले साइबर अपराध नेटवर्क से भी जुड़ा हो सकता है। जांच एजेंसियां अब विदेशी एजेंसियों के साथ मिलकर तफ्तीश कर रही हैं।

हिंदमाता एंकरः राम मंदिर चंदा चोरी मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 7 जून को योगी सरकार पर हमला बोला

राम मंदिर में 'चंदा चोरी': कैसे खुला मामला, एसआईटी जांच तक पूरी टाइमलाइन

हिंदमाता संवाददाता @ अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर में चंदा चोरी का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के आरोपों के बाद यह विवाद राजनीतिक रंग ले चुका है। मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी और उनके पास से लाखों रुपए बरामद होने के बाद जांच तेज कर दी गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे प्रकरण की तह तक पहुंचने के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है। ऐसे में जानिए, इस विवाद की शुरुआत कैसे हुई और अब तक क्या-क्या घटनाक्रम सामने आए हैं?

ऐसे हुई विवाद की शुरुआत

जून की शुरुआत में अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा किए गए ऑडिट के दौरान दानपात्र से नकदी और अन्य वस्तुओं के गायब होने की आशंका सामने आई। इसके बाद मंदिर परिसर और दानपात्र के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। फुटेज में एक कर्मचारी की भूमिका संदिग्ध दिखाई दी, जिसके आधार पर आंतरिक स्तर पर जांच शुरू की गई। शुरुआत में मामले को गोपनीय रखा गया।

7 जून को अखिलेश यादव की एंट्री से सुर्खियों में आया मामला

राम मंदिर चंदा चोरी मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 7 जून को योगी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके का कि अयोध्या में मंदिर के चढ़ावे को लेकर जो जानकारी सामने आई है, वह गंभीर चिंता का विषय है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि यदि डबल इंजन सरकार की निगरानी व्यवस्था इतनी प्रभावी होती और दूरबीन व ड्रोन सही तरीके से काम कर रहे होते, तो विपक्ष को सवाल उठाने का मौका ही नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि चढ़ावे में चोरी होगी तो उसकी शिकायत भी होगी। इसके बाद अयोध्या राम मंदिर में चंदा चोरी के मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने भी योगी सरकार पर निशाना साधा। संजय सिंह ने कहा कि राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्र में दान राशि की कथित चोरी बेहद गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष व पारदर्शी जांच होनी चाहिए। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पूरे मामले की सच्चाई जनता के सामने लाने की बात कही।

10 जून को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कही जांच कराने की मांग

अयोध्या राम मंदिर में चंदा चोरी की बात बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मानी। कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे के दौरान पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने कहा कि मामले की जांच सरकार करा रही है। सरकार इस मामले को लेकर पूरी तरह सतर्क है और जांच एजेंसियां सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो।

13 जून को सीएम योगी के आदेश के बाद एसआईटी गठित

13 जून को अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट के चंदे और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यों वाली स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई है। अधिकारियों के मुताबिक एसआईटी का गठन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर किया गया। यह कदम 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के अनुरोध पर उठाया गया, जिसने इसे "गलत जानकारी को रोकने और सच सामने लाने" के लिए जरूरी बताया और आरोप लगाया कि राम मंदिर की छवि खराब करने की कोशिशें की जा रही हैं।

होर्मुज खुलेगा, ईरान को मिलेंगे 25 अरब डॉलर..

जानें कैसी होगी यूएस-ईरान की पीस डील

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

अमेरिका-ईरान के बीच पीस डील को लेकर महीनों से चल रही खींचतान अब खत्म होती नजर आ रही है। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित शांति समझौते (पीस डील) का एक ड्राफ्ट सामने आया है, जिसमें परमाणु कार्यक्रम से लेकर तेल कारोबार, होर्मुज स्ट्रेट और अरबों डॉलर फ्रीज किए हुए तक कई बड़े मुद्दों पर सहमति बनने का दावा किया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित समझौते के तहत ईरान ने यह वादा किया है कि वह न तो परमाणु हथियार बनाएगा और न ही किसी अन्य तरीके से उन्हें हासिल करने की कोशिश करेगा। यह अमेरिका की सबसे बड़ी मांगों में से एक रही है। ड्राफ्ट के मुताबिक, ईरान के पास मौजूद उच्च स्तर पर संवर्धित (हाईली एनरिच्ड) यूरेनियम का संवर्धन स्तर भी कम किया जाएगा। हालांकि यह प्रक्रिया कैसे होगी, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। दोनों पक्ष अगले 60 दिनों के भीतर इसकी तकनीकी रूपरेखा तय करेंगे।

डील पर साइन होने के बाद खुल जाएगा होर्मुज स्ट्रेट

डील में होर्मुज स्ट्रेट का मुद्दा भी शामिल है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। प्रस्तावित समझौते के तहत ईरान सभी व्यावसायिक जहाजों के लिए होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोल देगा। इसके बदले अमेरिका ईरानी जहाजों और बंदरगाहों पर लगाई गई नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करेगा। अगर यह समझौता लागू होता है तो वैश्विक ऊर्जा बाजार को भी राहत मिल सकती है। पिछले कई महीनों से होर्मुज में तनाव के कारण तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों की नजरें इस समझौते पर टिकी हुई हैं। समझौते को लेकर अभी पूरी तरह स्पष्टता नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि इस समझौते पर रविवार को हस्ताक्षर हो सकते हैं।

25 अरब डॉलर फ्रीज्ड फंड ईरान कर पाएगा हासिल

इस समझौते का सबसे बड़ा आकर्षण ईरान के फ्रीज्ड फंड को लेकर है। ईरानी अधिकारी का दावा है कि अमेरिका करीब 25 अरब डॉलर फ्रीज किए गए फंड को जारी करने पर सहमत हो गया है। इसमें डायरेक्ट कैश ट्रांसफर, क्षेत्रीय देशों के सहयोग और वित्तीय क्रेडिट लाइन जैसी व्यवस्थाएं शामिल हो सकती हैं। इसके अलावा अमेरिका कुछ समय के लिए ईरान पर लगे तेल प्रतिबंधों में भी छूट देगा। इससे ईरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में दोबारा तेल बेच सकेगा और उससे होने वाली कमाई अपने पास रख सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम ईरान की अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत दे सकता है, जो वर्षों से पश्चिमी प्रतिबंधों की मार झेल रही है।

लंदन में 26 साल के भारतीय युवक की चाकू मारकर हत्या

पुलिस ने 7 लोगों को पकड़ा

हिंदमाता नेटवर्क @ लंदन

लंदन में 26 साल के भारतीय मूल के युवक गुरभेज सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना पश्चिमी लंदन के साउथॉल इलाके में नॉर्थ रोड और डॉर्मर्स वेल्स लेन के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, गुरभेज सिंह पर बुधवार तड़के करीब 12:30 बजे एक दुकान के बाहर हमला किया गया था। हमले में उन्हें चाकू से गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। डॉक्टरों और पैरामेडिक्स ने उनकी जान बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। इस घटना में एक और व्यक्ति भी घायल हुआ था, जिसकी उम्र लगभग 30 साल बताई जा रही है। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। बाद में उसकी हालत में सुधार होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मामले में 7 लोगों को हिरासत में लिया गया, लेकिन 6 को बिना किसी कार्रवाई के छोड़ दिया गया।

लोगों से गवाही देने की अपील

मेट्रोपॉलिटन पुलिस की स्पेशलिस्ट क्राइम कमांड की अधिकारी एलिसन फॉक्सवेल ने कहा कि गुरभेज सिंह की मौत बेहद दुखद है और पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर किसी ने घटना देखी है या उसके पास आसपास के इलाके की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग है, तो वह पुलिस से संपर्क करे। पुलिस ने घटना के बाद मौके से सात लोगों को हत्या के शक में गिरफ्तार किया था। इन लोगों की उम्र 20 से 30 साल के बीच बताई गई है। आगे की जांच के बाद छह लोगों को बिना किसी कार्रवाई के रिहा कर दिया गया। एक व्यक्ति को जमानत पर छोड़ा गया है और जांच पूरी होने तक उससे आगे भी पूछताछ की जाएगी।

पीड़ित परिवार के संपर्क में पुलिस

पुलिस ने बताया कि अधिकारी पीड़ित परिवार के संपर्क में हैं। जांच टीम इलाके के सबूतों, सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों की मदद से यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हमला क्यों हुआ और इसके पीछे कौन जिम्मेदार है। फिलहाल पुलिस ने हत्या के कारण या किसी खास मकसद के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस अधिक जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

यूक्रेन युद्ध के बीच शैडो फ्लीट पर ब्रिटेन की बड़ी कार्रवाई

इंग्लिश चैनल में रूस का ऑयल टैंकर किया जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

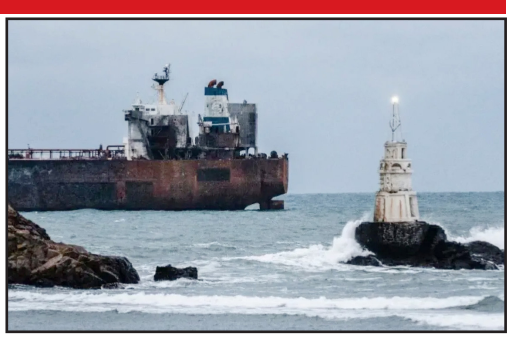

यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ पश्चिमी देशों की कार्रवाई अब समुद्र में भी तेज कर दी गई है। ब्रिटेन की सेना ने पहली बार इंग्लिश चैनल में रूस की शैडो फ्लीट(गुप्त बेड़े) से जुड़े एक तेल टैंकर पर छह घंटे तक ऑपरेशन चलाकर उसे जब्त कर लिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करके दी।

सफल ऑपरेशन के लिए ब्रिटिश टीम को दिया धन्यवाद

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक्स पर लिखा कि आज सुबह मैंने हमारी सेना को शैडो फ्लीट के एक ऑयल टैंकर को रोकने का निर्देश दिया। यह ऑयल टैंकर इंग्लिश चैनल से गुजरने की कोशिश कर रहा था। इस सफल ऑपरेशन से रूस को एक और झटका लगा है। उन्होंने आगे लिखा कि जो लोग यूक्रेन में पुतिन की जंग को बढ़ावा दे रहे हैं, उन्हें हम छिपने नहीं देंगे। पीएम कीर स्टार्मर ने इस ऑपरेशन में शामिल ब्रिटिश कमांडो और उनकी टीम को शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा कि हमारी सेना साल के 365 दिन, 24 घंटे इस देश को सुरक्षित रखते हैं उनका धन्यवाद। बता दें कि ब्रिटेन से पहले फ्रांस ने भी रूस के शैडो फ्लीट से जुड़े कई ऑयल टैंकर को जब्त किया है। जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की अनदेखी करके रूसी तेल ले जाते हैं। जब्त किया गया टैंकर कैमरून के झंडे वाला स्मर्टोस है जिसे पिछले साल यूके ने रूसी तेल ले जाने के कारण प्रतिबंध लगाया था। रूसी शैडो फ्लीड पर कब्जा करने के ऑपरेशन में ब्रिटिश कमांडो और यूके की नेशनल क्राइम एजेंसी शामिल थी। कीर स्टार्मर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट किया है जिसमें यूके के कमांडो हेलीकॉप्टर से जहाज पर उतरते हुए और अंदर जाते नजर आ रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए पीएम ने लिखा कि पुतिन की तमाम कोशिशों के बावजूद वे प्रतिबंधों से बचकर निकल नही पाए।

अवैध रूप से तेल निर्यात करता है शैडो फ्लीट

बता दें कि प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने मार्च में ब्रिटिश सेना को रूसी जहाजों को रोकने की अनुमति दी थी। पश्चिमी सरकारों ने आरोप लगाया है कि शैडो फ्लीट जहाज कड़े पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद मॉस्को को अवैध रूप से तेल निर्यात करने में मदद करता है।

एक करोड़ से ज्यादा नहीं होगी स्विट्जरलैंड की आबादी, जनता करेगी फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

स्विट्जरलैंड में रविवार को एक अहम जनमत संग्रह (रेफरेंडम) हो रहा है। इससे लोग यह तय करेंगे कि देश की आबादी को 2050 तक 1 करोड़ से ज्यादा नहीं बढ़ने दिया जाए या नहीं। इस प्रस्ताव ने देश में इमिग्रेशन यानी विदेश से आने वाले लोगों को लेकर बड़ी बहस छेड़ दी है। प्रस्ताव को दक्षिणपंथी स्विस पीपुल्स पार्टी का समर्थन है। पार्टी का कहना है कि तेजी से बढ़ती आबादी की वजह से घरों की कमी, ट्रेनों में भीड़, स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव और पर्यावरण संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसलिए आबादी पर सीमा लगाना जरूरी है। वहीं सरकार, अन्य राजनीतिक दल, व्यापारिक संगठन और ट्रेड यूनियन इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे अस्पतालों, होटलों और कई उद्योगों में कर्मचारियों की कमी हो जाएगी। साथ ही यूरोपीय संघ के साथ स्विट्जरलैंड के संबंध भी खराब हो सकते हैं।

24 साल मे जनसंख्या 18 लाख बढ़ी

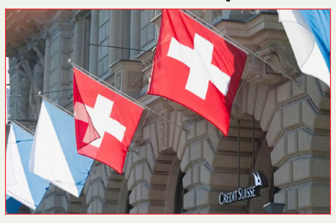

स्विट्जरलैंड की आबादी 2002 में 73 लाख थी, जो अब बढ़कर 91 लाख हो गई है। देश की कुल आबादी में 27% लोग ऐसे हैं जो विदेश में पैदा हुए थे। स्विट्जरलैंड में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की व्यवस्था है, जहां 1 लाख दस्तखत जुटाकर किसी भी मुद्दे पर मतदान कराया जा सकता है। ताजा सर्वे के मुताबिक, मुकाबला बहुत करीबी है। करीब 52% लोग इस प्रस्ताव के खिलाफ हैं, जबकि 45% इसके समर्थन में हैं। बड़ी संख्या में मतदाता अब भी फैसला नहीं कर पाए हैं। प्रस्ताव के मुताबिक, अगर आबादी 95 लाख तक पहुंचती है तो सरकार को इसे कंट्रोल करने के कदम उठाने होंगे। इसमें शरणार्थियों की संख्या कम करना और विदेशी कर्मचारियों के परिवारों को स्विट्जरलैंड बुलाने के अधिकार को सीमित करना शामिल हो सकता है।

1 करोड़ आबादी से क्या नुकसान?

अगर आबादी 1 करोड़ तक पहुंच जाती है, तो स्विट्जरलैंड को कुछ अंतरराष्ट्रीय समझौते खत्म करने पड़ सकते हैं। इनमें यूरोपीय यूनियन के साथ लोगों की स्वतंत्र आवाजाही का समझौता भी शामिल है। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि इससे देश को नुकसान होगा, क्योंकि यूरोपीय संघ स्विट्जरलैंड का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। होटल, अस्पताल और ओल्ड एज केयर सेंटर बड़ी संख्या में विदेशी कर्मचारियों पर निर्भर हैं। होटल सेक्टर में काम करने वाले लगभग आधे कर्मचारी प्रवासी हैं। विरोधियों का कहना है कि स्विट्जरलैंड की 20% आबादी 65 साल से अधिक उम्र की है। ऐसे में देश को युवा कामगारों और टैक्स देने वालों की जरूरत है। इसलिए उनका मानना है कि आबादी की सीमा लगाने से फायदा कम और नुकसान ज्यादा हो सकता है।

अमेरिका-ईरान पीस डील से ठीक पहले इजरायल का बेरूत पर बड़ा हमला

हिज्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाने का दावा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच डील आखिरी चरण में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ऐलान किया है कि रविवार को डील फाइनल हो जाएगी। इजरायल ने रविवार को लेबनान की राजधानी बेरूत के आसपास के इलाकों पर बड़ा हमला किया। इजरायली सेना का कहना है कि यह हमला हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर किया गया। बेरूत के ऊपर धुएं के बड़े-बड़े बादल देखे गए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद सोशल मीडिया पर लिखा, 'हमने बेरूत के दाहिया इलाके में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया। इजराइल अपनी जमीन पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगा।'

एक हफ्ते पहले क्या हुआ था?

एक हफ्ते पहले भी इजरायल ने बेरूत के इन्हीं इलाकों पर हमला किया था। उस हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल पर हमला बोल दिया था। यानी यह सिलसिला चल रहा है। इजरायल मारता है, ईरान जवाब देता है। इजरायली सेना और प्रधानमंत्री नेतन्याहू का दफ्तर कह रहा है कि हिज्बुल्लाह ने उत्तरी इजरायल में हमले किए, इसीलिए यह जवाबी कार्रवाई की गई।

ईरान-अमेरिका डील बीच में कहाँ से आई?

इस वक्त अमेरिका और ईरान के बीच एक बड़ी बातचीत चल रही है। दोनों देश एक 'सीजफायर डील' करने की कोशिश में हैं। लेकिन ईरान ने साफ कहा है, 'जब तक इजराइल लेबनान में हमले बंद नहीं करता, हम किसी भी डील को नहीं मानेंगे।' यानी मामला यह है - अमेरिका चाहता है ईरान से डील हो, लेकिन इजरायल लेबनान में लगातार हमले कर रहा है, जिससे ईरान नाराज है और डील अटकी पड़ी है।

समुद्र में डूबी 14 भारतीयों से भरी नाव

बचाव के लिए पहुंची अमेरिकी नौसेना

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ओमान के रास अल हद्द तट के पास समुद्र में एक बड़ा हादसा हो गया है। बताया जा रहा है कि, 14 भारतीय नागरिकों को लेकर जा रही एक पारंपरिक धौ (नौका) अचानक संकट में फंसकर डूब गई। घटना की सूचना मिलते ही अमेरिकी नौसेना, भारतीय नौसेना और अन्य समुद्री एजेंसियों ने संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया। सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की उम्मीद जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह घटना 14 जून की सुबह रास अल हद्द तट से लगभग 80 समुद्री मील पूर्व में हुई। समुद्र में संकटग्रस्त नौका की सूचना मिलते ही अमेरिकी नौसेना का पी-8 समुद्री निगरानी विमान मौके पर पहुंचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विमान ने तुरंत समुद्र में एक लाइफ राफ्ट गिराई, जिससे नौका पर सवार लोगों को सुरक्षित आश्रय मिल सका।

समुद्र में डूबी भारतीयों से भरी नाव

अमेरिकी नौसेना ने अपनी निगरानी के दौरान पुष्टि की कि, नाव पर मौजूद सभी लोग लाइफ राफ्ट में स्थानांतरित हो गए हैं। इसके बाद आसपास मौजूद जहाजों से भी सहायता मांगी गई। सेंट किट्स एंड नेविस ध्वज वाले व्यापारी जहाज एमवी जबल अली 9 को अपना मार्ग बदलकर राहत अभियान में शामिल किया गया। यह जहाज उस समय सोहर से मुंबई की ओर जा रहा था।

14 भारतीयों के सुरक्षित होने की उम्मीद

घटना की जानकारी भारतीय नौसेना और संबंधित अधिकारियों को भी दे दी गई है। सभी एजेंसियां मिलकर बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। अधिकारियों के अनुसार, सभी 14 भारतीयों के सुरक्षित होने की उम्मीद है, हालांकि अंतिम आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। बता दें कि, पश्चिम एशिया में हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। बीते कुछ दिनों में तीन ऐसे जहाजों पर हमला किया गया है, जिन पर भारतीय सवार थे। इस बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ऐसे ही एक और जहाज पर हमले में चार भारतीयों की मौत हुई है।

हिंदमाता एंकर रूस सरकार लोगों को विदेशी ऐप्स छोड़कर सरकारी समर्थन वाले ऐप्स अपनाने के लिए कह रही है

वॉट्सऐप ब्लॉक और निगरानी का डर; रूसी नागरिकों ने निकाला नया डिजिटल जुगाड़

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रूस में सरकार ने इंटरनेट पर निगरानी और नियंत्रण काफी बढ़ा दिया है। इसके बाद आम लोगों को विदेशी ऐप और वेबसाइट इस्तेमाल करने के लिए कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई रूसी नागरिक अब दो-दो मोबाइल फोन रखते हैं और वीपीएनकी मदद से इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। मॉस्को की 41 वर्षीय इंटीरियर डिजाइनर इरीना बताती हैं कि विदेश में रहने वाले दोस्तों से बात करने के लिए उन्हें वीपीएन चालू करके वॉट्सऐप इस्तेमाल करना पड़ता है, क्योंकि यह रूस में ब्लॉक है। लेकिन जब उन्हें रूसी रेलवे जैसी सरकारी वेबसाइट पर टिकट बुक करनी होती है, तो वीपीएनबंद करना पड़ता है, क्योंकि कई रूसी वेबसाइटें वीपीएनयूजर्स को एक्सेस नहीं देतीं। इसके अलावा वह सरकारी ऐप मैक्स इस्तेमाल करने के लिए अलग फोन रखती हैं।

रूस ने विदेशी ऐप्स छोड़ने को कहा

रूस सरकार लोगों को विदेशी ऐप्स छोड़कर सरकारी समर्थन वाले ऐप्स अपनाने के लिए कह रही है। हालांकि कई लोगों को डर है कि मैक्स जैसे ऐप्स के जरिए सरकार उनकी गतिविधियों पर नजर रख सकती है। इसी वजह से कुछ लोग इसे अलग फोन में रखते हैं। कुछ अधिकारियों ने तो ऐसे फोन से कैमरा और माइक्रोफोन तक हटा दिए हैं। वीपीएन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। रूसी अखबार कोमर्सेंट के मुताबिक, मार्च 2026 में गूगल प्ले स्टोर से सबसे पॉपुलर वीपीएन ऐप्स के 92 लाख डाउनलोड हुए, जो पिछले साल के मुकाबले 14 गुना ज्यादा हैं। रूस में पहले कभी वीपीएनका इस्तेमाल इतनी तेजी से नहीं बढ़ा।

रूस ने इंटरनेट बैन की क्या वजह बताई?

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने इंटरनेट पर नियंत्रण और सख्त कर दिया है। कई इलाकों में मोबाइल इंटरनेट कई दिनों तक बंद रखा गया। सरकार का कहना है कि यूक्रेन के ड्रोन मोबाइल नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकते हैं, इसलिए सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाया गया। सरकार ने वॉट्सऐप, टेलीग्राम और कई विदेशी वेबसाइटों की स्पीड भी कम की है या उन्हें ब्लॉक किया है। अप्रैल में कई सरकारी दफ्तरों, बैंकों और ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइटों ने वीपीएन इस्तेमाल करने वाले लोगों को अपनी सर्विस देने से रोकना शुरू कर दिया।

इंटरनेट बैन से क्या दिक्कतें आईं?

इन प्रतिबंधों का असर आम लोगों की जिंदगी पर भी पड़ा है। इंटरनेट बंद होने से ऑनलाइन खरीदारी, बैंकिंग, ट्रांसपोर्ट और डिलीवरी सेवाएं प्रभावित हुईं। मॉस्को में जब नेविगेशन ऐप्स बंद हुए, तो डिलीवरी कर्मचारियों को दुकानों के वाईफाई का सहारा लेना पड़ा। यहां तक कि कागजी नक्शों की बिक्री भी दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई। हालांकि कुछ लोग इन बदलावों के साथ खुद को ढाल चुके हैं, लेकिन कई रूसी नागरिक मानते हैं कि इंटरनेट पर बढ़ती पाबंदियों ने उनकी डिजिटल जिंदगी को पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल और जटिल बना दिया है।

बिजनेस वर्ल्ड

क्या पेट्रोल की जगह एथेनॉल बनेगा भविष्य? रिपोर्ट में बड़ा दावा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

वैश्विक परामर्श कंपनी केपीएमजी की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि एथेनॉल भविष्य में भारत की परिवहन ऊर्जा व्यवस्था की मजबूत रीढ़ बन सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है और अब देश को ई85 तथा ई100 जैसे उच्च एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधनों की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए। एथेनॉल को केवल मिश्रित ईंधन के रूप में नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित कच्चे तेल से पूरा करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उछाल या भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। केपीएमजी का मानना है कि एथेनॉल के अधिक उपयोग से आयातित तेल पर निर्भरता कम की जा सकती है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता का असर भी सीमित रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के तनाव जैसे हालात ने वैकल्पिक ईंधनों की जरूरत को और बढ़ा दिया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने एथेनॉल उत्पादन और वितरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। सरकार के एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम के तहत उत्पादन क्षमता और आपूर्ति नेटवर्क का विस्तार हुआ है। हाल ही में सरकार ने 22% से 30% तक एथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में छूट देने का फैसला भी किया है। इससे उच्च एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधनों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ए20 से आगे बढ़ने के लिए कई चुनौतियों का समाधान करना होगा। वर्तमान में एथेनॉल उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने और अन्य कृषि फसलों पर आधारित है।

एफएसएसएआई की बड़ी कार्रवाई, 8 फूड कंपनियों को थमाया नोटिस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश में खाद्य उत्पादों पर किए जाने वाले दावों की सख्त निगरानी के बीच भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने बड़ी कार्रवाई की है। नियामक संस्था ने उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले ब्रांड नाम, टैगलाइन और उत्पाद दावों के इस्तेमाल को लेकर आठ फूड कंपनियों को नोटिस जारी किया है। एफएसएसएआई का कहना है कि इन कंपनियों के कुछ दावे और नाम खाद्य सुरक्षा नियमों के अनुरूप नहीं हैं और इससे ग्राहकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले ब्रांड नामों और उत्पाद दावों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए आठ फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को नोटिस जारी किया है। इनमें एमामी हेल्दी एंड टेस्टी, हेल्थ एड, ट्रूवी, द हेल्दी फैक्ट्री, हेल्दी मास्टर, हेल्दी चॉइस, प्लान बी और न्यूहर्ब्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। एफएसएसएआई के अनुसार, इन कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कुछ ब्रांड नाम, टैगलाइन और लेबल पर किए गए दावे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और संबंधित नियमों का उल्लंघन कर सकते हैं। नियामक ने कहा कि ऐसे दावे उपभोक्ताओं को उत्पाद की वास्तविक प्रकृति के बारे में गुमराह कर सकते हैं। कोलकाता स्थित एमामी ग्रुप की कुकिंग ऑयल इकाई एमामी हेल्दी एंड टेस्टी का नाम भी जांच के दायरे में आया है। एफएसएसएआई का मानना है कि कंपनी का ट्रेड नेम उपभोक्ताओं को उत्पाद के स्वास्थ्य लाभों को लेकर भ्रमित कर सकता है। वहीं, प्लान बी का प्लांट-बेस्ड वीगन उत्पाद दावे पर भी सवाल उठाए गए हैं। नियामक का कहना है कि कंपनी ने अपने उत्पादों को वीगन बताने का प्रभाव पैदा किया, जबकि इसके लिए आवश्यक अनुमोदन उसके एफएसएसएआई लाइसेंस में दर्ज नहीं है। द हेल्दी फैक्ट्री की जीरो मैदा होल व्हीट ब्रेड और जीरो मैदा पिज्जा बेस उत्पादों को भी नोटिस मिला है।

कमाल की है ये लड़की, 16 की उम्र में बना दी थी 100 करोड़ की एआई कंपनी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आज के दौर में जहां लोग करियर की दिशा तय करने में ही कई साल लगा देते हैं, वहीं भारतीय मूल की प्रांजलि अवस्थी ने कम उम्र में ही ऐसा मुकाम हासिल किया है, जो लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। महज 19 साल की उम्र में वह एक सफल एआई स्टार्टअप की सीईओ हैं और उनकी कंपनी की वैल्यूएशन करीब 100 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। उनकी सफलता इस बात का उदाहरण है कि जुनून, मेहनत और सही दिशा में किया गया प्रयास उम्र का मोहताज नहीं होता है। उन्होंने अपने स्टार्टअप को 16 साल की उम्र में शुरू किया था। भारत में जन्मी प्रांजलि अवस्थी बचपन में अपने परिवार के साथ अमेरिका के फ्लोरिडा चली गई थीं। उनके पिता इंजीनियर हैं और उन्हीं से प्रेरित होकर प्रांजलि ने मात्र 7 साल की उम्र में कोडिंग सीखना शुरू कर दिया था। तकनीक के प्रति उनकी रुचि धीरे-धीरे बढ़ती गई और उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तथा मशीन लर्निंग जैसे विषयों में गहरी दिलचस्पी विकसित कर ली। प्रांजलि ने किशोरावस्था में ही रिसर्च इंटर्नशिप करना शुरू कर दिया था। केवल 13 साल की उम्र में वह मशीन लर्निंग से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने महसूस किया कि रिसर्चर्स को इंटरनेट पर मौजूद विशाल डेटा में से उपयोगी जानकारी खोजने में काफी समय और मेहनत लगती है। यहीं से एक नए बिजनेस आइडिया ने जन्म लिया। जनवरी 2022 में, जब उनकी उम्र सिर्फ 16 साल थी, तब उन्होंने डेल्व। एआई नामक स्टार्टअप की शुरुआत की। यह एआई आधारित प्लेटफॉर्म रिसर्चर्स को ऑनलाइन स्रोतों से महत्वपूर्ण जानकारी खोजने, व्यवस्थित करने और विश्लेषण करने में मदद करता है। कम समय में इस स्टार्टअप ने टेक इंडस्ट्री का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। डेल्व ।एआई को मियामी के एक स्टार्टअप एक्सेलेरेटर प्रोग्राम में जगह मिली, जहां प्रांजलि को अनुभवी मेंटर्स और निवेशकों से जुड़ने का मौका मिला। इसके बाद ऑन डेक और विलेज ग्लोबल जैसे निवेशकों से करीब 4.5 लाख डॉलर की फंडिंग हासिल हुई। कंपनी की तेज ग्रोथ और बढ़ती लोकप्रियता के चलते इसकी वैल्यूएशन लगभग 100 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। कम उम्र में हासिल की गई यह सफलता प्रांजलि अवस्थी को दुनिया की सबसे युवा एआई उद्यमियों में शामिल करती है।

किआ इंडिया ने 'प्रोजेक्ट ड्रॉप' के चौथे चरण की शरुआत की

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश की अग्रणी मास-प्रीमियम कार निर्माता कंपनी किआ इंडिया ने टिकाऊ विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली-एनसीआर में 'प्रोजेक्ट ड्रॉप' (डेवलप रिस्पॉन्सिबल आउटलुक फॉर प्लास्टिक) के चौथे चरण की शुरुआत की है। यह पहल इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के सहयोग से शुरू की गई। नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में इस विस्तार की घोषणा की गई। चौथे चरण के तहत प्रोजेक्ट ड्रॉप का लक्ष्य दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कुल 250 केंद्रों में प्लास्टिक कचरे के जिम्मेदार प्रबंधन की व्यवस्था विकसित करना है, ताकि स्वच्छ और टिकाऊ शहरी वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके। चौथे चरण की शुरुआत के अवसर पर, किआ इंडिया और उसके सहयोगियों ने विशेष रूप से तैयार किए गए ड्रॉप कम्युनिटी बिन्स का अनावरण किया। इन डस्टबिन को रीसायकल किए गए प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके बनाया गया है, जो संसाधनों के पुन: उपयोग पर परियोजना के जोर को दर्शाता है। इस कार्यक्रम के दौरान ड्रॉप कलेक्शन व्हीकल को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करने के लिए एक व्यवस्थित और एकीकृत प्रणाली की शुररुआत का प्रतीक है। इसका मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली में कचरे को अलग करने, इकट्ठा करने और उसके सुरक्षित व जिम्मेदार निपटान की प्रथाओं को मजबूत करना है। 'प्रोजेक्ट ड्रॉप' के चौथे चरण की शुरुआत पर किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग, श्री अतुल सूद ने कहा, "भारत के शहर तेजी से विकसित हो रहे हैं और ऐसे समय में संगठित एवं टिकाऊ कचरा प्रबंधन व्यवस्था की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। प्रोजेक्ट ड्रॉप के माध्यम से किआ इंडिया लोगों में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाने और जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के लिए मजबूत जमीनी ढांचा तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दैनिक ठाणे, सोमवार 15 जून, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

दिशा पाटनी का बोल्ड अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने ग्रेसफुल लुक और बोल्ड फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। दिशा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म के प्रमोशनल इवेंट में दिशा का ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा है। हाल ही में दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने सामने आते ही सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में दिशा का बोल्ड अंदाज और कॉन्फिडेंस देखने लायक है। दिशा पाटनी के ऑलिव ग्रीन कलर का बेहद खूबसूरत और चमकीला नेट गाउन पहना हुआ है। इस ड्रेस पर शानदार सेक्विन वर्क किया गया है, जो लाइट पड़ने पर और भी ज्यादा चमक रहा है।

■ दिशा की ड्रेस का सबसे अट्रैक्टिव पार्ट इसका 'कमर से कट-आउट' डिजाइन और बैकलेस होना है। यह गाउन पूरी तरह से बैकलेस है, जो दिशा के परफेक्ट टोंड फिगर और कर्व्स को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रहा है। इसके साथ ही, ड्रेस में दिया गया थाई-हाई स्लिट उनके पैर को एक टोन्ड और अट्रैक्टिव लुक दे रहा है। दिशा एक सॉलिड ब्लू बैकग्राउंड के सामने खड़े होकर अपनी पूरी ड्रेस और स्ट्रेपी हील्स को शोकेस कर रही हैं।

■ इस लुक को कम्प्लीट करने के लिए दिशा ने अपने बालों को विंटेज वेवी लुक दिया है, जो 90 के दशक के रेट्रो एरा की याद दिलाता है। उन्होंने अपने मेकअप को न्यूड और लिपस्टिक को थोड़ा डार्क ब्राउन शेड में रखा है। हाथों में मैचिंग ब्रेसलेट्स और पैरों में स्ट्रैपी हील्स उनके इस लुक में चार चांद लगा रहे हैं। दिशा पाटनी का यह लुक उन लोगों के लिए बेहतरीन इंस्पिरेशन है जो किसी कॉकटेल पार्टी या नाइट इवेंट में बोल्ड और क्लासिक दिखना चाहते हैं। दिशा ने साबित कर दिया है कि बोल्डनेस को एलिगेंस के साथ कैसे कैरी किया जाता है।

मनीषा कोइराला समुद्र किनारे बिखेरा जलवा

90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला आज भी अपनी खूबसूरती और बेबाक अंदाज से लोगों का दिल जीत रही हैं। अभिनय और स्टाइल के दम पर इंडस्ट्री में खास पहचान बनाने वाली मनीषा ने हाल ही में एक ऐसा पोस्ट शेयर किया, जो लोगों को जिंदगी को खुलकर जीने का सन्देश देता है। 55 साल की उम्र में भी मनीषा अपनी फिटनेस और आत्मविश्वास से सभी को प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर समुद्र किनारे बिताए कुछ खास पलों की तस्वीरें सांझा की हैं। इन तस्वीरों में मनीषा हैट और स्टाइलिश वेस्टर्न ऑउटफिट में नजर आ रही हैं। समुद्र का खूबसूरत नजारा और उनका बिंदास अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

महिलाओं के लिए खास सलाह यात्रा जरूर करें

तस्वीरों के साथ मनीषा ने बहुत ही दिल छूने वाला कैप्शन लिखा है कि आपका साइज या उम्र चाहे जो भी हो, और आप ज़िंदगी के किसी भी पड़ाव पर हों- यात्रा जरूर करें, बीच पर टहलें, स्विमसूट पहनें, फोटो खिंचवाएं। अपनी त्वचा पर धूप और पैरों के नीचे रेत को महसूस करें। डर या दूसरों की राय को अपने ऊपर हावी न होने दें। आप जैसे हैं, वैसे ही ज़िंदगी को पूरी तरह जीने के हकदार हैं। मनीषा का यह पोस्ट सिर्फ तस्वीरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, आत्म-स्वीकृति और जिंदगी को पूरे दिल से अपनाने का एक खूबसूरत संदेश भी देता है।

'धमाल 4' का मजेदार ट्रेलर रिलीज

अजय देगवन स्टारर फिल्म 'धमाल 4' के ट्रेलर में एक बार फिर से रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, अरशद वारसी के अलावा पुरानी स्टार कास्ट नजर आ रही है। यह सब फिर से धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। ट्रेलर में बहुत कुछ ऐसा है, जो दर्शकों को चौंका सकता है। 'धमाल 4' ट्रेलर में एक बार फिर से खजाने की खोज में कुछ लोग नजर आ रहे हैं। इस खोज में अजय देवगन और उनके दोस्त भी शामिल होते हैं। साथ ही इनकी लव स्टोरी भी चलती है। ट्रेलर में समंदर के अंदर से लेकर और जंगल, पहाड़ की लोकेशन पर अजीब स्थिति में अजय देवगन और उनके दोस्त फंसे हुए नजर आते हैं। इन सभी के कंडीशन के बीच खूब कॉमेडी भी नजर आई। अजय देवगन की इस फिल्म के निर्देशक इंद्र कुमार हैं। फिल्म में रवि किशन, ईशा गुप्ता, अंजलि आनंद के अलावा भी एक बड़ी स्टार कास्ट मौजूद है। यह फिल्म 10 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रोहित शर्मा ने तोड़ा 37 साल पुराना रेकॉर्ड

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले जा रहे पहले वनडे मुकाबले में उतरते ही रोहित भारत के लिए वनडे क्रिकेट खेलने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष क्रिकेटर बन गए।

रोहित ने तोड़ा मोहिंदर अमरनाथ का रेकॉर्ड

39 साल और 44 दिन की उम्र में मैदान पर उतरने वाले रोहित शर्मा ने पूर्व भारतीय ऑलराउंडर मोहिंदर अमरनाथ का 37 साल पुराना रेकॉर्ड तोड़ दिया। अमरनाथ ने 1989 में अपना आखिरी वनडे 39 साल और 36 दिन की उम्र में खेला था।

झूलन गोस्वामी के नाम है ओवरऑल रेकॉर्ड

हालांकि, भारत के लिए वनडे खेलने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर का रेकॉर्ड अब भी पूर्व महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के नाम दर्ज है। झूलन ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में अपना अंतिम वनडे 39 साल और 303 दिन की उम्र में खेला था। अब तक कोई भी भारतीय क्रिकेटर 40 वर्ष की उम्र पार करने के बाद वनडे क्रिकेट नहीं खेल पाया है। अगर रोहित शर्मा अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहते हैं, तो वह 40 साल की उम्र के बाद वनडे खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन सकते हैं।

बारिश से प्रभावित रहा मुकाबला

धर्मशाला में लगातार बारिश के कारण मैच निर्धारित समय से काफी देर से शुरू हुआ। मुकाबला दोपहर 1:30 बजे शुरू होना था, लेकिन बारिश के चलते टॉस और खेल में देरी हुई। आखिरकार मैच शाम 5:45 बजे शुरू हुआ और इसे घटाकर प्रति टीम 25 ओवर का कर दिया गया।

भारत ने जीता टॉस, पहले गेंदबाजी चुनी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। गिल ने बताया कि इस मुकाबले में हर्ष दुबे और गुरनूर बराड़ वनडे क्रिकेट में डेब्यू कर रहे हैं। वहीं, यशस्वी जायसवाल, प्रिंस यादव और कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली है।

फीफा वर्ल्ड कप की दूसरी ओपनिंग सेरेमनी में नोरा फतेही का चला जादू

फीफा वर्ल्ड कप की दूसरी ओपनिंग सेरेमनी थी। मैच शुरू होने से पहले ओपनिंग सेरेमनी में नोरा फतेही भी नजर आईं, उन्होंने इस स्टेज पर अपना हिट सॉन्ग गाया भी, इस पर परफॉर्म भी किया। उनकी यह परफॉर्मेंस फैंस को काफी पसंद आई। साथ ही एक्ट्रेस का लुक भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रहा।

इन सेलेब्स के साथ नोरा ने स्टेज का बढ़ाया पारा

फीफा वर्ल्ड कप की सेरेमनी में नोरा फतेही ने फ्रेंच सिंगर वेजेड्रीम और बांग्लादेशी-अमेरिकी डीजे संजय के साथ गाने 'सिरी सिरी' के जरिए समां ही बांध दिया। नोरा फतेही का यह गाना पहले ही सोशल मीडिया पर छाया हुआ था।

नोरा फतेही फीफा इवेंट का हिस्सा बनकर खुश

नोरा फतेही इतने बड़े इवेंट का हिस्सा बनी हैं तो काफी खुश हैं। सोशल मीडिया पेज इंस्टाग्राम पर नोरा फतेही ने रिर्हसल तक की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा है। नोरा के लुक की भी खूब तारीफ की है।

करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं नोरा?

नोरा फतेही ने कुछ वक्त पहले एक फिल्म 'केडी द डेविल' में आइटम सॉन्ग किया था, जो कि विवादों में घिर गया था। वह एक्टिंग भी कई फिल्मों में कर चुकी हैं। साथ ही अब बतौर सिंगर, डांसर भी वह लाइव शो करने लगी हैं।

कंगना का शाही लुक

जब-जब भारतीय कपड़ों को प्रस्तुत करने की बारी आई है तो कंगना का उसमें सबसे आगे आया है। उनका रॉयल और शाही अंदाज हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींच लेता है। चाहे फिर वो किसी मूवी प्रमोशन के लिए हो या फिर संसद भवन के लिए कंगना का स्टाइल हमेशा से ही अपने राजसी अंदाज के लिए जाना जाता है।

■ हाल ही में कंगना अपनी फिल्म भारत भाग्य विधाता की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए जयपुर पहुंची। इस मौके पर उनका आकर्षक और राजसी अंदाज देखें को मिला। उन्होंने डार्क पर्पल कलर की साड़ी पहनी हुई है, जो उनके लुक को विंटेज और क्लासिक लुक दे रही है। कंगना का यह ऑउटफिट पारंपरिक भारतीय शिल्प और आधुनिक सादगी का एक बेहतरीन उदाहरण है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कंगना ने एक सेमी-शीयर फैब्रिक वाली डार्क पर्पल साड़ी पहनी है। साड़ी के बॉर्डर और पल्लू पर बेहद खूबसूरत फ्लोरल कढ़ाई की गई है।

■ इस कढ़ाई में सफेद, हलके गुलाबी और पस्टेल रंगों के धागों के साथ सेक्विन वर्क का इस्तेमाल हुआ है। साड़ी के साथ उन्होंने मैचिंग सॉलिड पर्पल कलर का ब्लाउज पहना है। ब्लाउज की नेकलाइन को राउंड-स्कूप शेप दी गई है, जो उनकी हैवी ज्वेलरी को फ्लॉन्ट करने के लिए एकदम सटीक है। इस लुक को सबसे ज्यादा खास बनाने का काम किया है ज्वेलरी ने। कंगना ने गले में सिल्वर-फिनिश वाला एक भारी चोकर हार पहना है।

फिर भी क्यों खुश नहीं हैं नीतीश कुमार रेड्डी?

नीतीश कुमार रेड्डी को हाल ही में अपनी गेंदबाजी और रनअप पर किए गए काम के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भी शानदार गेंदबाजी इस ऑलराउंडर ने की, लेकिन उनका मानना है कि अभी उन्हें इस विभाग में काफी सुधार करने की जरूरत है।

■ नीतीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे मैच में अच्छी गेंदबाजी की। रेड्डी ने 4 ओवर में 31 रन दिए और 2 विकेट लिए। मैच 25-25 ओवर का था। उन्होंने आईपीएल 2026 से पहले इंग्लैंड स्थित कोच स्टीफन जोन्स के साथ काम किया था, जिससे वह बेहतर गति से सटीक गेंदबाजी करने लगे हैं। भारत के अग्रणी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होने की समस्या से जूझते रहते हैं। इसलिए टीम प्रबंधन 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक के बाद के भविष्य के लिए रेड्डी को तैयार कर रहा है। रेड्डी की बल्लेबाजी पर कभी कोई संदेह नहीं था, लेकिन अब वह गेंद से भी कमाल दिखा रहे हैं। शनिवार को बारिश से प्रभावित वनडे मैच में उन्होंने आक्रामक रहमानुल्लाह गुरबाज को बेहतरीन यॉर्कर पर आउट किया था।

■ यॉर्कर के इस्तेमाल के बारे में बात करते हुए रेड्डी ने कहा कि वह गेंद का इस्तेमाल आक्रमण और बचाव दोनों ही विकल्पों के रूप में करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहूंगा कि मुझे इस तरह की स्थिति की उम्मीद थी। मुझे वनडे में इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन कम से कम टी-20 जैसे आईपीएल और अन्य मैचों में तो इसकी उम्मीद थी ही, क्योंकि एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैं चार ओवर पूरे नहीं फेंक पाता था। कुछ मैचों में मैं दो ओवर ही कर पाता था, लेकिन कुछ मैच ऐसे भी होते थे जिनमें मुझे चार ओवर फेंकने पड़ते थे, इसलिए मैं खुद को तैयार कर रहा था।

मुझे बेखबर नहीं रहना है- रेड्डी

रेड्डी ने आगे कहा कि जब कप्तान मुझे गेंद सौंपता है तो मुझे बेखबर नहीं रहना चाहिए, मेरे पास कोई रणनीति होनी चाहिए, इसलिए अगर मैचों में नियमित रूप से गेंदबाजी करना संभव न हो, तो कम से कम मुझे अभ्यास में अच्छी तैयारी करनी होगी, ताकि मौका मिलने पर मैं तैयार रहूं। रेड्डी ने हाल ही में अपनी गति और सटीक लेंथ से गेंदबाजी करने में काफी सुधार किया है, लेकिन वह मानते हैं कि अब भी सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मेरा मतलब है, मुझे समझ आ गया है कि मैं फ्रंट ऑन गेंदबाज हूं और मैं अपनी लेंथ पर काम कर रहा हूं। इसके लिए मैं रनअप में और तेजी लाना चाहता था। इसलिए मेरे गेंदबाजी एक्शन में थोड़ा बदलाव आया है। अब यह ठीक हो रहा है। मुझे अभी और सुधार करने की जरूरत है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मैं उन्हें करने में सफल रहूंगा।

ग्लैमर की दुनिया छोड़ कृष्ण भक्ति में लीन हुई प्रनवी तिवारी

ग्लैमर की दुनिया में नाम और शोहरत हासिल करना हर किसी का सपना होता है लेकिन कई बार सब कुछ मिलने के बावजूद भी मन को सुकून नहीं मिलता। ऐसी ही कहानी है एक्ट्रेस प्रनवी तिवारी की। मॉडलिंग की दुनिया से उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई लेकिन अंत में उन्होंने कृष्ण भक्ति की राह चुनने का फैसला किया।

सफलता मिलने के बाद भी बैचेन था मन

आपको बता दें कि प्रनवी तिवारी पहले एक एयर होस्टेस के रूप में काम करती थीं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और विज्ञापनों की दुनिया में कदम रखा। इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस Kriti Sanon समेत कई सितारों के साथ काम किया। उनके पास एक्टिंग की दुनिया में आगे बढ़ने के लिए बहुत से अवसर थे लेकिन उनका मन हमेशा ही काफी बेचैन रहता था। हाल ही में मेरो वृन्दावन द्वारा एक पॉडकास्ट के दौरान प्रनवी ने खुलासा किया कि उनके पास जीवन में सब कुछ था, पैसा, नाम, नौकरी और परिवार लेकिन इतना सब होने के बाद भी मेरा मन हमेशा परेशान रहता था। उन्होंने हमेशा ऐसा लगता रहता था कि उनके जीवन में किसी चीज की कमी है। इस वजह से उनका रुझान धीरे-धीरे अध्यात्म की तरफ बढ़ने लगा।

2025 में पहली बार प्रेमानंद महाराज से मिलीं

इसी बीच एक्ट्रेस ने बताया कि वर्ष 2025 में पहली बार उन्होंने प्रेमानंद महाराज जी के प्रवचन सुने। उसके बाद से ही उनके जीवन पर इतना प्रभाव पड़ा की, उन्हें लगा कि जिस चीज की उन्हें हमेशा से कमी लगती थी वो अब पूरी हो गई। उन्होंने अपने परिवार से चर्चा की और जीवन में बड़ा बदलाव लाने का फैसला किया। वह वृंदावन पहुंचीं, जहां उन्हें प्रेमानंद महाराज से मिलने और उनसे दीक्षा लेने का अवसर मिला। उन्होंने पूरी तरह खुद को कृष्ण भक्ति के मार्ग पर समर्पित कर दिया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित। दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेंट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप